सुविचार

अतीत के गुलाम नहीं बल्कि भविष्य के निर्माता बनो.....

PKL NO.KKR/184/2022-24

हिन्दी पाक्षिक राष्ट्रीय समाचार पत्र

सच्ची व स्टीक खबर, आप तक

सम्पादक : जरनैल सिंह

छायाकार : राजरानी

गजब हरियाणा

Contact : 91382-03233

समस्त भारत में एक साथ प्रसारित

HAR/HIN/2018/77311

WWW.GAJABHARYANA.COM ✸ 16 अगस्त 2022 वर्ष : 5, अंक : 08 पृष्ट : 8 मूल्य: 7/- सालाना 150/- रुपये ✸ email. gajabharyananews@gmail.com

36वीं नेशनल गेम्स में भाग लेने के लिए हरियाणा ओलम्पिक संघ ने शुरू की तैयारी : संदीप

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । हरियाणा के खेल एवं युवा मामले मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि 36वीं नेशनल गेम्स गुजरात में हरियाणा के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाएंगें। इसके लिए हरियाणा ओलंपिक संघ ने तैयारियां शुरु कर दी है। इन राष्ट्रीय खेलों का आयोजन 8 सालों के बाद किया जा रहा है।

खेलमंत्री संदीप सिंह बुधवार को हरियाणा ओलंपिक संघ की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले खेलमंत्री संदीप सिंह ने संघ के सभी सदस्यों से 36वीं नेशनल गेम्स की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की है और संघ की तरफ से खिलाड़ियों के लिए ओर बेहतर करने हेतु सुझाव भी आंमत्रित किए है। उन्होंने कहा कि भारतीय ओलम्पिक संघ की तरफ से नेशनल

गेम्स में खिलाड़ी 27 सितम्बर से 10 अक्टूबर तक गुजरात में भाग लेंगे। हरियाणा ओलम्पिक संघ नेशनल गेम्स को सफल बनाने के लिए अपना पूर्ण योगदान दे रहा है। पहले नेशनल गेम्स केरल में 2015 में हुए थे 8 साल के अंतरॉल के बाद यह गेम्स आयोजित हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि संघ द्वारा खिलाड़ियों को अधिक से अधिक सुविधा दी जाएगी तथा खिलाडियों को उनके गेम्स के अनुसार किट दी जाएगी। इस प्रतियोगिता में हरियाणा ओलम्पिक संघ से मान्यता प्राप्त खेल संघ भाग लेंगे व प्रदेश में ऐसे अन्य खेल जो कि हरियाणा ओलम्पिक संघ से मान्यता प्राप्त नहीं है व जिन खेल संघो पर किसी प्रकार की कोई आपत्ति है वह खेल हरियाणा ओलम्पिक संघ के बैनर नीचे भाग लेंगे । यह निर्णय खिलाडियो के उज्जवल भविष्य को देखते हुए लिया गया है। इसके अतिरिक्त जो राज्य संघ हरियाणा ओलंपिक संघ से मान्यता प्राप्त नहीं है, वे अपनी टीम/खिलाड़ी भेजने के लिए हरियाणा ओलंपिक संघ से 13 अगस्त 2022 से पहले संपर्क करे ताकि समय रहते उक्त कारवाई की जा सकें। इस मौके परं हरियाणा ओलम्पिक संघ से उपप्रधान असीम गोयल, महेन्द्र कम्बोज, कार्यवाहक महासचिव नीरज तंवर व सन्नी डुल आदि गणमान्य पदाअधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय राजमार्ग पुल पर रैलिंग के पास से खिसकी मिट्टी, पड़ी बड़ी-बड़ी दरारें

मिट्टी खिसकने से हो सकता है कोई बड़ा हादसा

पुल के ऊपर से रोजाना गुजरते हैं हजारों वाहन

हादसा होने का बना रहता है अंदेशा

गजब हरियाणा न्यूज/रविन्द्र

पिपली । राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित इशरगढ़ के पुल पर रेलिंग के पास से मिट्टी खिसकने से दरारें पड़ गई है। आशंका है कि अगर ही जल्द ही राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों ने इसकी सुध नहीं ली तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है। कई दिन से पुल पर बनी रैलिंग के पास से मिट्टी खिसकी हुई है और कई कई फुट की दरारें पड़ी हुई है। जबकि राष्ट्रीय राजमार्ग से रोजाना हजारों की संख्या में वाहनों का आना जाना लगा रहता है। ऐसे में कोई भी दुर्घटना हो सकती है।

चंडीगढ़ से दिल्ली जाते समय राष्ट्रीय राजमार्ग पर गांव ईशरगढ़ के पुल पर पिछले कई दिनों से रेलिंग के पास से मिट्टी खिसकी हुई है। जिसके चलते रेलिंग के आसपास बड़ी-बड़ी दरारें पड़ गई हैं। और इसके अलावा पुल पर कई जगहों पर मिट्टी खिसकी हुई है। जबकि यहां से रोजाना हजारों की संख्या में वाहन आते जाते हैं। दूसरी और रात के समय तो और भी खतरे की संभावना ज्यादा बढ़ जाती है। क्योंकि रात के समय वाहन चालकों को पुल के आसपास का हिस्सा ठीक ढंग से दिखाई नहीं देता। नतीजन हादसा होने का खतरा बना रहता है। ऐसे में रैली के पास से खिसकी हुई मिट्टी के कारण कभी भी बड़ा हादसा होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। हालांकि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों का यहां से भी आना जाना लगा रहता है लेकिन उनकी अनदेखी के चलते पुल की रेलिंग के पास से मिट्टी खिसकना अपने आप में एक बहुत बड़ी बात है । आसपास के ग्रामीणों ने बताया कि कई दिन से रैलिंग के पास से मिट्टी खिसकी हुई है और बडी बडी दरा पडी हूई हे । बरसात के दिनों में तो और भी ज्यादा हालात खराब होती है । बरसात का पानी रेलिंग के नीचे से होकर आता है और जिसके चलते बड़ी-बड़ी दरारें पड़ गई है। जिसके चलते कोई हादसा होने का अंदेशा बना रहता है ।

जब इस बारे में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के उप मंडल अधिकारी भानु प्रताप सिंह से उनका पक्ष जाना गया है तो उन्होंने बताया कि ऐसा मामला उनके संज्ञान में नहीं है। अगर पुल के रैलिंग के आसपास से मिट्टी खिसकी हुई है उसे जल्द ही ठीक करा दिया जाएगा।

श्री श्याम फाउंडेशन ट्रस्ट ने लगाया रक्तदान शिविर

रक्त नालियों में नही बल्कि नाड़ियों में बहना चाहिए : स्वामी ज्ञान नाथ

जीवन को सुचारू ढंग से चलाने के लिए रक्त एक विशेष भूमिका निभाता है : महामंडलेश्वर

संसार में हर तरह के दान से रक्तदान सर्वश्रेष्ठ महादान है : एडवोकेट

गजब हरियाणा समाचार पत्र के अम्बाला व नारायणगढ़ से पत्रकार राहुल सरोहा को सम्मानित करते हुए आयोजक व रक्तदान करते हुए रक्तदानी

गजब हरियाणा न्यूज/राहुल

नारायणगढ़। श्री श्याम फाउंडेशन ट्रस्ट कुराली के संस्थापक अध्यक्ष श्री मान दविन्द्र राणा कुराली की अध्यक्षता और एम केयर हास्पिटल, जीरकपुर के एक्सपर्ट डॉक्टर कार्तिक अग्रवाल, डॉक्टर सुनील, नर्सिंग सीस्टर ममता, सीमा और अन्य पैरामैडिकल स्टाफ तथा आस-पास के सम्मानितगणों प्रसिद्ध समाजसेवी सज्जनों के सहयोग से प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय आश्रम नारायणगढ़ में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमे लगभग 120 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। रक्तदाताओं शिविर में पंहुचे श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर एडवोकेट स्वामी ज्ञान नाथ, गद्दीनशीन राष्ट्रीय अध्यक्ष, निराकारी जागृति मिशन एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संत सुरक्षा मिशन भारत और एडवोकेट धर्मवीर ढींडसा, प्रधान, बार एसोसिएशन नारायणगढ़ का ट्रस्ट के चेयरमैन दविन्द्र राणा, आश्रम की संचालिका बहन हरदीप, ट्रस्ट के जिला प्रधान डॉक्टर जयदीप चौहान और अन्य कार्यकारिणी सदस्यों ने फूलों के बक्के देकर स्वागत किया। महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञान नाथ जी महाराज ने कहा कि टस्ट द्वारा समय समय पर रक्तदान शिविर लगाकर लोगों का कीमती जीवन बचाना बहुत ही सराहनीय और प्रशंसनीय कदम है। स्वामी जी ने जीवन में रक्त की महता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्त नालियों में नही बल्कि नाड़ियों में बहना चाहिए। जीवन को सुचारू ढंग से चलाने के लिए रक्त एक विशेष भूमिका निभाता है। संसार में हर तरह के दान से रक्तदान सर्वश्रेष्ठ महादान है। रक्त की कमी को किसी तरह से पूरा नही किया जा सकता बल्कि मनुष्य ही जरूरतमंदों की मदद कर सकता है। आश्रम की संचालिका बहन हरदीप ने कार्यक्रम में आए सभी लोगों से आहवान किया कि किसी का जीवन बचाने के लिए रक्त दान की जरूरत पड़ती है। रक्त के बिना जीवन असंभव हो जाता है। एडवोकेट धर्मवीर ढींडसा ने संबोधित करते हुए कहा कि अगर रक्त है तो जीवन है और रक्त के बिना हम जीवन की कल्पना भी नही कर सकते। इसलिए इस पुनीत कार्य को पूरा करने के लिए नौजवानों को आगे आना चाहिए। ट्रस्ट के अध्यक्ष दविन्द्र राणा कुराली ने कहा कि खून किसी भी कृत्रिम तौर-तरीके से नही बनाया जा सकता बल्कि मनुष्य ही रक्त देकर मनुष्य का जीवन बचाने में मदद कर सकता है। इसलिए नर सेवा ही नारायण सेवा है। दविन्द्र राणा, एडवोकेट रजत जैंटी, ट्रस्ट सचिव, श्री युगम चानना महासचिव, बहन हरदीप, डा. जयदीप चौहान ने कार्यक्रम में आए सभी विशिष्ट अतिथियों को सिरोपे और रक्तदाताओं का प्रशंसा पत्र देकर सम्मान किया। कार्यक्रम में विशेषरूप से डॉक्टर नीलू, पवन गुज्जर, पूर्व वाइस चेयरमैन, जिल परिषद, भूपिन्द्र कपूर, भारत विकास परिषद, प्रांतीय प्रभारी, गगन बुद्धिराजा, वतन शर्मा, भूषण शर्मा, परवीन नामदेव एम सी, नरेन्द्र शर्मा एस सी, भीष्म बुद्धिराजा एमसी उपस्थित रहे।

चौकसी के लिए बनाई अलग-अलग क्षेत्रों में टीमें

अवैध खनन करने वाले वाहनों की होगी चैकिंग : डीसी पार्थ गुप्ता

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर । उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने कहा कि जिले में अवैध खनन पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध है। जिले में अवैध खनन से जुड़े वाहनों व व्यक्तियों पर कार्यवाही के लिए जिला प्रशासन ने विशेष अभियान चलाया है । इस अभियान के तहत चैकिंग के लिए अलग-अलग क्षेत्रों में टीमे बनाई गई है जो कि दिन रात चैकिंग करेंगी।

उन्होंने बताया कि जो भी अवैध खनन करने व अवैध खनिज को ले जाने वाले वाहनों को पकड़ कर खनन विभाग, काराधान एवं आबकारी विभाग व ओवर लोडिंग तथा पुलिस विभाग द्वारा नियमानुसार चालान किए जाएगे। जगह-जगह नाके लगाकर अवैध खनन कर रहे वाहनों को चैक किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिए ई-रवाना/ नकली ई-रवाना पर विशेष नजर रखी जाएगी। उन्होंने ऐसे लोगों को सख्त नसीहत दी है कि जो भी अवैध खनन करता है, सावधान हो जाए जिला प्रशासन की सख्त नजर से नही बच सकेंगा।

भारत की आन बान शान : तिरंगे का इतिहास

झंडे को भारत की आजादी की घोषणा से 4 दिन पहले यानी 22 जुलाई सन 1947 को संविधान सभा ने भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपना लिया था। भारत के तिरंगे की परिकल्पना आंध्र प्रदेश के पिंगली वैंकैया ने लिखी थी। वे जब गांधी जी के संपर्क में आए तो उनके विचार बिल्कुल बदल गए। देखते ही देखते उनकी रुचि झंडे में बढ़ने लगी। एक दिन गांधीजी ने पिंगली वैंकैया को भारत का झंडा बनाने को कहा। उन्होंने 1916 से 1921 तक करीब 30 देशों के झंडों पर रिसर्च किया। उसके बाद जाकर उन्होंने एक झंडा बनाया। गांधी जी झंडे को देख काफी ज्यादा खुश हुए। इसके बाद जालंधर के लाल हंसराज ने झंडे में बीचों-बीच एक चक्र बनाने का सुझाव दिया।

उन्होंने कहा कि झंडे के बीत एक चक्र बनाया जाऐं। इसके बाद गांधीजी ने झंडे में शांति के प्रतीक सफेद रंग को भी शामिल कर लिया बता दें कि लाल हंसराज ने पंजाब में आर्य समाज के प्रचार प्रसार और डीएवी स्कूल की स्थापना कराई थी,जब कुछ साल बीत गए तो तिरंगे के बीच चरखे की जगह अशोक चक्र बनाया गया। तिरंगे झंडे को इस्तेमाल करने और फैराने के लिए एंबलम एंड नेम प्रिवेंशन ऑफ प्रॉपर यूज एक्ट 1950 बनाया गया था।

भारतीय ध्वज संहिता 2002 में बताया गया है कि तिरंगे को तीन भागों में बांटा गया है, जिसमें पहले भाग में सामान्य जानकारी दी गई है। दूसरे भाग में झंडे को आम जनता प्राइवेट संस्था और स्कूल में किस तरह इस्तेमाल करना चाहिए, तीसरे भाग में सरकारों और उनसे जुड़ी एजेंसियों द्वारा किस तरह से झंडे का इस्तेमाल किया जाएगा।

बता दें कि झंडे को भारत की आजादी की घोषणा से 4 दिन पहले यानी 22 जुलाई सन 1947 को संविधान सभा ने भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपना लिया था।

भारत का राष्ट्रिय झंडा में अशोक चक्र या धम्म चक्र को लगाने में डॉ आंबेडकर का योगदान

बाबासाहेब डॉ आंबेडकर की मौजूदगी मे एक बार संविधान सभा के सामने राष्ट्रिय झंडे का प्रश्न उपस्थित हुवा। सभी सदस्यों ने कई प्रकार के झंडो का विचार करने के लिए कहा। हिन्दुओं ने गेरुए रंग को झंडे मे स्थान देने के लिए जोर दिया। कुछ ने सुदर्शन-चक्र पर अपनी दलीलें पेश की। कांग्रेसियों ने चरखे को महत्व दिया। लेकीन बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर ने कांग्रेस के तीनो रंगो को ज्यों का त्यों ही अपनाने पर जोर देते हुए कहा 'इस झंडे के बीच मे अशोक चक्र को स्थान मिलना चाहिए। महाराजा अशोक महान की अमर कीर्ती इसी राज्य चिन्ह के कारण जीवित है। यह राजचिन्ह धर्म निरपेक्षता और सहनशिलता का प्रतिक है। अत्याचार और शोषण के विरुद्ध लडने का पाठ पढ़ाता है। धम्मचक्र भगवान बुध्द के प्रतीत्य समुत्पाद सिद्धांत का संदेश देता है। आज सारे संसार मे ईस धर्म के अनुयायी करोड़ों की संख्या मे है।

अगर स्वतंत्र भारत को अपनी आजादी की रक्षा करनी है,तो यह जरुरी है की वह ऐसे चिन्ह को अपनाये जिससे हर भारतिय को अपने प्राचीन गौरव का अनुभव करने का सुअवसर और भगवान बुद्ध कि जन्म भूमि भारत के नाम को दुबारा उंचा करने की प्रेरणा मिले।' बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर के प्रस्ताव को संविधान सभा ने सर्वसम्मति से पास किया। अशोक के स्तंभ मे धम्मचक्र है यह शांति और अहिंसा का प्रतीक है। इसके उपर सिंह है, यह शक्ति का प्रतीक है।यह इस बात को बताता है कि सदाचार की स्थापना तभी हो सकती है,जब देश शक्तिशाली हो। शीलवान मनुष्य वही बनता है,जिसके मन,वाणी और कर्म में सिंह की भी सुदृढता हो। स्वतंत्रता,समानता, भातृत्व और न्याय की स्थापना सामर्थ्यवान या शक्तिशाली राज्य ही कर सकता है। महाराजा अशोक के काल मे बौध्द धम्म के अनुसार मानवता और समानता की स्थापना की गई थी। इसी पवित्र संदेश के साथ महाराजा अशोक महान ने अपने दूतों द्वारा सारे संसार मे इस महान धर्म को फैलाया था । इसीलिए आजाद भारत ने भी

एक बार फिर सम्राट अशोक के पद चिन्हो पर चलने का निर्णय लिया । यह बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर का महान सुझाव था। इसके मान लेने के कारण आज बौद्ध देशों मे भारत का नाम एक बार फिर आदर के साथ लिया जा रहा है।

क्या करें

ध्वज के सम्मान को प्रेरित करने के लिए शैक्षणिक संस्थानों (स्कूलों, कॉलेजों, खेल शिविरों, स्काउट शिविरों, आदि) में राष्ट्रीय ध्वज फहराया जा सकता है। स्कूलों में ध्वजारोहण में निष्ठा की शपथ भी शामिल की गई है। सार्वजनिक, निजी संगठन या शैक्षणिक संस्थान का कोई सदस्य राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा और सम्मान के अनुरूप सभी दिनों और अवसरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहरा सकता है या प्रदर्शित कर सकता है। नई संहिता की धारा 2 सभी निजी नागरिकों के अपने परिसर में झंडा फहराने के अधिकार को स्वीकार करती है।

क्या नहीं

झंडे का इस्तेमाल सांप्रदायिक लाभ, चिलमन या कपड़े के लिए नहीं किया जा सकता है। जहां तक संभव हो, इसे सूर्योदय से सूर्यास्त तक उड़ाया जाना चाहिए, चाहे मौसम कुछ भी हो।

झंडे को जानबूझकर जमीन या फर्श या पानी में पगडंडी को छूने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। इसे वाहनों, ट्रेनों, नावों या विमानों के हुड, ऊपर, और किनारों या पीछे के ऊपर नहीं लपेटा जा सकता है।

झंडे के ऊपर कोई दूसरा झंडा या बंटिंग नहीं लगाया जा सकता है। साथ ही, ध्वज के ऊपर या उसके ऊपर फूल या माला या प्रतीक सहित कोई भी वस्तु नहीं रखी जा सकती है। तिरंगे का उपयोग उत्सव, रोसेट या बंटिंग के रूप में नहीं किया जा सकता है।

भारतीय राष्ट्रीय ध्वज भारत के लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है। यह हमारे राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। पिछले पांच दशकों में, सशस्त्र बलों के सदस्यों सहित कई लोगों ने तिरंगे को उसकी पूरी महिमा में लहराते रहने के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी है।

जरनैल सिंह, सम्पादक

विधानसभा में गूंजा पिपली में अंतर राज्य आधुनिक बस अड्डा और ट्रामा सेंटर ना बनाने का मामला

लाडवा विधायक मेवा सिंह ने दोनों मुद्दों को विधानसभा में उठाया, की दोनों मुद्दों को पूरा करने की मांग

विधानसभा में बोले विधायक मेवा सिंह ,दोनों मुद्दे जनता के हित में, जल्द पूरा करे सरकार

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । लाडवा विधायक मेवा सिंह ने पिपली में ट्रामा सेंटर ना बनने और अंतर राज्य आधुनिक बस अड्डा ना बनने का मामला मंगलवार को विधानसभा में उठाया। विधायक मेवा सिंह ने दोनों मामले विधानसभा में उठाते हुए कहा कि पिपली में सात साल पहले मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अंतर राज्य आधुनिक बस अड्डा बनाने की घोषणा की थी । ऐसे में जब मुख्यमंत्री की घोषणा ही पूरी नहीं हो रही है। दूसरे कार्यों पर क्या भरोसा। वहीं उन्होंने ट्रामा सेंटर ना बनने का मुद्दा उठाते हुए कहा कि दो साल पहले उन्होंने खानपुर कोलिया की पंचायत की 5 एकड़ जमीन ट्रामा सेंटर बनने के लिए पंचायत से प्रस्ताव पारित कर दस्तावेज स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज को सौंपे थे। लेकिन उस पर भी आज तक कोई कार्रवाई नहीं हो पाई । उन्होंने कहा कि 5 एकड़ जमीन तकरीबन दस.करोड़ की है । लेकिन उसके बावजूद भी ट्रामा सेंटर बनने का मामला ठंडे बस्ते में पड़ा हुआ है।

विधायक मेवा सिंह ने विधानसभा में दोनों मूददो को उठाते हुए बताया कि दोनों मांग जनता के हितों के साथ जुड़ी हुई है। ट्रामा सेंटर बनने से राष्ट्रीय राजमार्ग से जा रहे दुर्घटना में गंभीर लोगों को फौरी तौर पर इलाज मिलेगा। वहीं आसपास की जनता को भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने बताया कि यह मांग पिछले कई सालों से लंबित है जिस को पूर्ण करना जरूरी है । दूसरी ओर उन्होंने पिपली में अंतर राज्य आधुनिक बस अड्डा बनाने के मुद्दे पर बोलते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने सात साल पहले पिपली में आकर यहां पर अंतर राज्य आधुनिक बस अड्डा बनाने की घोषणा की थी । लेकिन यह घोषणा भी आज तक सरकारी कार्यालयों में धूल फांक रही है । उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष से अनुरोध करते हुए कहा कि इन दोनों मांगों को जल्द पूरी करके जनता को राहत देने का काम किया जाए ।

बता दें कि पिपली में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की बिल्डिंग जर्जर हालत में है। एक खस्ताहाल बिल्डिंग में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चल रहा है। ऐसे में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की जगह पर ट्रामा सेंटर बनाने की मांग लंबे समय से उठती आ रही है। दूसरी ओर पिपली में हाईवे बस अड्डा काफी छोटा है। यात्रियों की मांग और राष्ट्रीय राजमार्ग को देखते हुए यहां पर अंतर राज्य आधुनिक बस अड्डा बनाने की मांग भी कई बार उठ चुकी

लाडवा विधायक मेवा सिंह विधानसभा में दोनों मुद्दों को उठाते हुए

थी। अड्डा बनाने की दिशा में कार्य भी शुरू हो गया था । लेकिन अभी दोनों मामले सरकारी कार्यालय में धूल फाकते नजर आ रहे हैं ।

महिला ऋणी के बकाया ब्याज को माफ करने वन टाइम सेटलमेंट योजना की अवधि दिसंबर माह तक बढ़ाई : उपायुक्त

मूल ऋण की पूरी राशि का एकमुश्त या 6 किस्तों में दिसंबर तक भुगतान करने पर सारा ब्याज होगा माफ

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर । उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने बताया कि प्रदेश सरकार ने महिलाओं के हित में एक बड़ा फैसला लेते हुए हरियाणा महिला विकास निगम के ऋणों के बकाया ब्याज को माफ करने के लिए वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) योजना शुरू की है। इसके तहत यदि लाभार्थी मूल ऋण की पूरी बकाया राशि का भुगतान एकमुश्त या 6 किस्तों में एक दिसंबर, 2022 तक लौटाता है तो उसका सारा ब्याज माफ कर दिया जाएगा।

उपायुक्त ने बताया कि यह योजना उन ऋणियों को कवर करेगी, जिनका ब्याज 31 मार्च 2019 को निगम को भुगतान के लिए बकाया है। योजना 31 मार्च 2019 को डिफॉल्ट रूप से मूल राशि पर लागू होगी, लेकिन उसके बाद भुगतान की गई मूल राशि शामिल नहीं होगी। उन्होंने बताया कि ऋण लेने

वालों को 6 महीने के भीतर इसका लाभ उठाने की अनुमति दी जाएगी। यदि ऋणी बकाया मूल राशि को एकमुश्त या किश्तों में छह महीने के भीतर चुका देता है तो वह लाभार्थी महिला ब्याज की 100 फीसदी छूट के लिए पात्र होगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि छूट का लाभ ऋणी को बकाया मूलधन की अंतिम किश्त के भुगतान के समय दिया जाएगा। ब्याज में छूट केवल उन्हीं कर्जदारों को दी जाएगी, जो 6 माह के भीतर पूरी बकाया मूल राशि का भुगतान कर देंगे।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत डाक विभाग ने निकाली तिरंगा यात्रा

कृष्ण कुमार डाकपाल की अगुवाई में शहर में तिरंगा यात्रा का किया आयोजन

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । वीरवार को आजादी के 75वें अमृत महोत्सव पर्व पर हर घर तिरगा के उपलक्ष मे प्रधान डाकघर कुरुक्षेत्र से कृष्ण कुमार डाकपाल की अगुवाई में शहर में तिरगा यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमे डाकपाल प्रधान डाकघर एवं सभी पत्रवाहक मौजूद रहे। कृष्ण कुमार ने कहा केंद्र सरकार द्वारा शुरू किए %हर घर तिरंगा% अभियान के तहत 13-15 अगस्त के बीच समूचे भारत मे राष्ट्रीय ध्वज फहराए जाएंगे। तीन दिन की अवधि के दौरान लोग अपने घरों और कार्यालयों में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। उन्होंने बताया कि सरकारी भवनों के ऊपर भी तिरंगा फहराया जाएगा। इससे पहले देश मे विभिन्न संस्थाओं, सरकारी विभागों की व्यक्तिगत लोगों द्वारा तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही हैं। इसी कड़ी में आज डाक विभाग द्वारा शहर में तिरंगा यात्रा निकाली गई है। शहर तिरंगे के रंग में रंगा

हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा यात्रा में भाग लेते डाक कर्मी

दिखाई दे रहा है। जिससे सभी देशवासियों में देश भक्ति की भावना को बल मिलेगा।

गजब हरियाणा बिल गेट्स मन्त्र

बिल गेट्स मन्त्र

बिल गेट्स ने क्या खूब कहा है यदि क्षणिक सुख चाहते हो तो गाने सुन लो ! यदि एक दिन का सुख चाहते हो तो पिकनिक पर चले जाओ ! एक सप्ताह का सुख चाहते है तो यात्रा पर चले जाओ ! एक दो महीने का सुख चाहते हो तो शादी कर लो ! कुछ सालो का सुख चाहते हो तो धन कमाओ ! लेकिन अगर पूरी जिन्दगी भर सुख चाहते हो तो अपने कार्य से प्यार करो ।

भीम राव अंबेडकर समाज, शिक्षा और सेवा समिति ने किया पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र भौरिया का स्वागत

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । गांव अमीन की संस्था भीम राव अंबेडकर समाज, शिक्षा और सेवा समिति के सभी पदाधिकारियों और ग्रामीणों ने नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र भौरिया, आईपीएस को उनके कार्यालय में मुलाकात कर उन्हें गुलदस्ता भेंट कर शुभकामनाएं दी। कैप्टन लखी राम, रोशन लाल, लख्मी चंद, जयकिशन, लछमी चंद, सुंदर लाल, ओमपाल, जीता राम, जयपाल, अजमेर सिंह, रोशन लाल, मास्टर सेवा सिंह, महिपाल फूले सहित ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र भौरिया का स्वागत किया। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र भौरिया की देखरेख में पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी। जिले में अपराधों पर अंकुश लगेगा और अमन चैन व शांति का माहौल बनेगा।

नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र भौरिया का स्वागत करते भीम राव अंबेडकर समाज, शिक्षा और सेवा समिति के पदाधिकारी

छात्र ने कक्षा में लगाई डॉ. बीआर आंबेडकर की तस्वीर

भड़के शिक्षक ने दी धमकी

छात्र ने पुलिस अधीक्षक और डीईओ को शिकायत देकर लगाई कार्रवाई की गुहार

29 अप्रैल का मामला, तत्कालीन प्रिंसिपल सहित दो शिक्षकों पर धमकाने के आरोप

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भूस्तला एक बार फिर से चर्चा में है। इस बार एक छात्र द्वारा संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर की तस्वीर कमरे में लगाए जाने पर बवाल खड़ा हो गया। मामला 29 अप्रैल का बताया जा रहा है। छात्र का आरोप है कि कक्षा में तस्वीर लगाने से खफा तत्कालीन प्रिंसिपल व दो शिक्षकों ने उसे बुरी तरह से धमकाया और उसका भविष्य खराब करने की धमकी भी दी।

इससे छात्र मानसिक तनाव में पहुंच गया है और एलएनजेपी अस्पताल से उसका इलाज चल रहा है। छात्र के पिता ने पुलिस अधीक्षक और जिला शिक्षा अधिकारी को देकर शिकायत देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। छात्र के पिता अशोक कुमार वासी गांव मेघा माजरा ने बताया कि उसका 17 साल का बेटा गांव भुस्तला के सरकारी स्कूल में 12वीं कक्षा में पढ़ता है। 29 अप्रैल को उसके बेटे डॉ. भीमराव आंबेडकर की तस्वीर कमरे में नीचे हुई गिरी मिली थी। उसे देखकर उसने उस तस्वीर को अपनी कमीज से साफ कर दीवार पर लगा दिया था। इस पर शिक्षक कक्षा में पहुंचा और दीवार पर लगी डॉ. भीमराव आंबेडकर की तस्वीर देखकर आग बबूला हो गया और पूछा कि यह फोटो किसने लगाई है। उसके बेटे ने बताया कि यह फोटो उसने लगाई है। आरोप लगाया कि इस पर शिक्षक ने उसे ऐसा करने पर भला बुरा कहा और जाति सूचक शब्द भी कहे। शिक्षक ने छात्र का नाम स्कूल से काटने और भविष्य खराब करने तक की धमकी दी। इससे छात्र डर गया और उसने अपने पिता को मामले की जानकारी दी।

वह अपने बेटे के साथ स्कूल पहुंचा तो आरोपी शिक्षक ने उसके साथ भी बुरा बर्ताव किया तथा जातिसूचक शब्द कहे। धमकी दी कि या तो अपने बच्चे का एसएलसी सर्टिफिकेट ले जाओ नहीं तो वे उसका भविष्य खराब कर देगा। मामला यहीं नहीं रुका आरोपी शिक्षक सहित अन्य एक शिक्षक ने साजिश के तहत उसके बेटे से अन्य छात्रों के खिलाफ एक शिकायत लिखवा दी। उसने मामले की सूचना 1098 पर कॉल करके दर्ज कराई। इस मामले में स्कूल के तत्कालीन प्रिंसिपल ने भी शिक्षकों का ही साथ दिया।

वहीं अशोक कुमार का कहना है कि उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस अधीक्षक को देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। शिकायत पर पुलिस अधीक्षक ने संज्ञान लेते हुए झांसा पुलिस को मौके पर भेजकर छात्र द्वारा लिखी गई शिकायत को अपने कब्जे लेने का आदेश भी दिया।

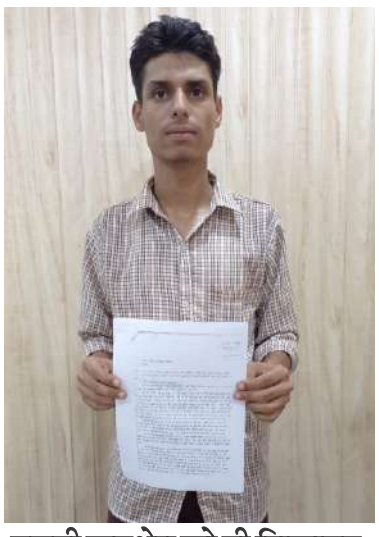

एसपी कुरुक्षेत्र को दी शिकायत के साथ छात्र

पुलिस को नहीं मिली कोई शिकायत

थाना झांसा प्रभारी राजपाल ने बताया कि पुलिस को कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। पुलिस ने स्कूल से कोई दस्तावेज भी कब्जे में नहीं लिए हैं। इस मामले से पुलिस का कोई रोल नहीं है।

खंड शिक्षा अधिकारी कर रहे जांच

जिला शिक्षा अधिकारी बलजीत मलिक ने बताया कि मामले की शिकायत प्राप्त हुई है। मामले की जांच के लिए शिकायत को संबंधित बीईओ को भेजा गया है। मामले की रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

कुरुक्षेत्र में पर्यटन की दृष्टि से आर्टिफिशियल मॉल रोड बनना महत्वपूर्ण : गुरदयाल सिंह

गजब हरियाणा न्यूज

कुरुक्षेत्र । कुरुक्षेत्रा दर्शन के संचालक एवं यात्री सूचना एवं सुविधा केंद्र पिपली के इंचार्ज गुरदयाल सिंह ने बताया कि कुरूक्षेत्र में एक आर्टिफिशियल मॉल रोड बनाने पर विचार किया जा रहा है। कुरूक्षेत्रा विकास बोर्ड,जिला प्रशासन और हरियाणा पर्यटन विकास निगम सहयोग करे तो यह प्रयास कामयाब हो सकता है। तो पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। लोगों को मॉल रोड देखने के लिए शिमला,कुल्लू मनाली तथा मंसूरी नही जाना पड़ेगा। यह कार्य कुरुक्षेत्र में ब्रह्म सरोवर पर सड़क को आर्टिफिशियल साधनों द्वारा ठंडा करके इस प्रयास को सिरे चढ़ाया जा सकता है। और कुरुक्षेत्र में इस महत्वपूर्ण योजना से पर्यटक की दृष्टि से कुरूक्षेत्र का नाम भी अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक धरोहर के रूप में अग्रसर हो जाएगा।

उन्होंने बताया कि कुरुक्षेत्र में उगता सूर्य व सूर्य अस्त होने को देखने के लिए आसपास के तालाबों में जगह की तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि ब्रह्म सरोवर के पानी मे उछाल के कारण सही तरीके से सूर्य के उगने व अस्त होना दिखाई नही देता।

अंबेडकर भवन का प्रधान बनने पर लोगों ने किया डॉक्टर रामभगत लांगयान का फूल मालाओं के साथ स्वागत

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल

कुरुक्षेत्र । सेक्टर 8 स्थित भारत रतन डॉक्टर भीमराव अंबेडकर वेलफेयर कमेटी के नव निर्वाचित प्रधान सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी डॉ राम भगत लांगयन का मंगलवार को कार्यकारिणी के सदस्यों और समाज के लोगों ने फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। सभी ने डॉक्टर रामभगत लांगयन को वेलफेयर कमेटी का चौथी बार प्रधान बनने पर बधाई दी और उम्मीद जाहिर की कि डॉक्टर रामभगत लांगयन पूर्व की तरह अंबेडकर भवन के कार्यों में भाग लेंगे और अंबेडकर भवन के कार्यों को और अधिक गति देने का काम करेंगे।.उम्मीद है कि उनकी देखरेख में डॉक्टर अंबेडकर भवन और भी अधिक ऊंचाइयों को छूने का काम करेगा।

इस मौके पर कमेटी के नवनिर्वाचित कोषाध्यक्ष लख्मीचंद , सयुंक्त सचिव श्यामलाल, अजमेर सिंह और अन्य लोगों ने डॉ रामभगत लांगयन को बधाई दी और उनका फूल मालाओं के साथ स्वागत किया । नवनिर्वाचित प्रधान डॉ रामभगत लांगयान ने आभार जताते हुए कहा कि उनका इस बार चुनाव ना लडने का इरादा था और उन्होंने अपनी इच्छा को अंबेडकर भवन के सदस्यों को अवगत करा दिया था, लेकिन इसके बावजूद भी अंबेडकर भवन के सदस्यों ने उन्हें दोबारा प्रधान बना कर उनके ऊपर जो विश्वास जताया है वे उस विश्वास पर पहले से अधिक खरा उतरने का काम करेंगे और अंबेडकर भवन के कार्यों को और गति देंगे। भवन में और नई योजनाएं चलेंगी और अंबेडकर भवन में चल रही गतिविधियों को और सक्रिय किया जाएगा।

नवनिर्वाचित प्रधान डॉ राम भगत लांगयान का फूल मालाओं के साथ स्वागत करते सदस्य

कटारिया ने रक्षाबंधन पर दी मातृशक्ति एवं बहनों को शुभकामनाएं कहा : एक धागा राष्ट्र सुरक्षा के नाम पर भी बांधे

गजब हरियाणा न्यूज

कुरुक्षेत्र । भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं केंद्रीय सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के सदस्य सूरजभान कटारिया ने आज रक्षाबंधन के अवसर पर अपने निवास पर सभी पारिवारिक एवं सामाजिक मातृशक्ति बहनों को अमृतमयी रक्षाबंधन दिवस की हार्दिक मंगलकामनाएँ दी है। उन्होंने आज रक्षाबंधन के पवित्र त्यौहार पर आह्वान किया कि एक धागा राष्ट्र की सुरक्षा के लिए भी बांधे जिसमें समरस्ता ,राष्ट्र प्रगति ,समृद्धि ,आरोग्य एवं राष्ट्र की अखंडता का भाव समाया हो। इस अवसर पर कई धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं की प्रतिनिधि महिलाओं ने सूरजभान कटारिया को राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र की कामना की।

यूट्यूब व फेसबुक पर
गजब हरियाणा न्यूज
चैनल को लाईक व सब्सक्राइब करें।
91382-03233
रोजाना की खबरों के लिए देखें वेबसाईट
www.gajabharyana.com

रक्षाबंधन पर बहनों के लिए दी गई मुफ्त बस यात्रा बनी मुसीबत बसों में चढ़ने के लिए बहनों को करनी पड़ी मशक्कत

गजब हरियाणा न्यूज/रविन्द्र

पिपली । हरियाणा सरकार द्वारा बहनों को भाइयों को राखी बांधने के लिए बसों में मुफ्त यात्रा करने की सुविधा दी गई थी। बहनों ने इस मुफ्त यात्रा का लाभ उठाया लेकिन इसके बदले बहनों को बसों में अव्यवस्था का शिकार भी होना पड़ा । यात्रा के दौरान बहनों को धक्का-मुक्की के साथ-साथ अन्य समस्याएं भी आई । जिसके चलते यह मुफ्त यात्रा बहनों के लिए मुसीबत बनती दिखी। इसके पीछे मुख्य कारण प्रशासन व परिवहन विभाग द्वारा पुख्ता इंतजाम नहीं किए थे। नतीजन महिलाओं को खामियाजा भुगतना पड़ा ।

अगर पिपली की बात करें यहां ऐसा देखा गया कि बहनों को बसों में चढ़ने के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ी। जैसे तैसे करके बहिने बसों मे चढ गई लेकिन बसों के अंदर बैठने के लिए जगह नहीं थी। बहनों को अपने गंतव्य स्थानों पर जाने के लिए खड़े होकर भी जाना पड़ा। दूसरी ओर बहनों के साथ छोटे बच्चे भी थे जो भीड़ के चलते गर्मी में बिलखते दिखे। हालात उस समय ओर भी गंभीर दिखे जब सड़क पर घंटों के जाम में बहने फंसी रही। ऐसे में यह मुफ्त यात्रा बहनों के लिए परेशानी का सबब बन गई। वहीं इसके पीछे एक कारण यह भी बताया जा रहा है कि परिवहन विभाग द्वारा बसों की संख्या बहुत कम थी। बहुत कम बसे सड़क पर चलाई थी। दूसरी ओर प्राइवेट बसों के चालकों ने तो बहनों को मुफ्त यात्रा देने के प्रति कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। बल्कि बहनों को यह कहकर बस में चढ़ने से रोक रहे थे कि बस में जगह ही नहीं है। ऐसे में बहनों को अपने भाइयों को की कलाई पर राखी बांधने के लिए मुश्किलों से गुजरना पड़ा।

धक्का-मुक्की के बीच ही चढ पाई बसों मे बहनें बोली मुफ्त यात्रा से मिली परेशानी

'गजब हरियाणा' समाचार पत्र में विज्ञापन, लेख व समाचार देने के लिए सम्पर्क करें।
91382-03233

भगवान किसे कहते हैं ?.........

भगवा या भगवान शब्द व्यक्ति के गौरव व गरिमा के विराट स्वरूप को दर्शाता है। यह नाम या रंग का प्रतीक नहीं है बल्कि गुण है। भगवान पैदा नहीं होते है, न अवतरित होते है बल्कि अपने सदाचार व सदगुणों के बल पर स्वयं बनते है। लेकिन अब इस गौरवशाली शब्द के अर्थ का अनर्थ हो गया है।

भगवा (पालि), भगवान (संस्कृत) भगवान, भगवा, भगवतो शब्द त्रिपिटक बौद्ध ग्रंथों में हजारों बार आते है. जैसे- एक समय भगवा जेतवने विहरते।

बुद्ध की वंदना में ये भाव होते हैं...

नमो तस्स भगवतो अरहतो सम्मा सम्मबुद्धस्स

अर्थात उस भगवा/भगवत/ भगवान अरहत सम्यक सम्बुद्ध को नमस्कार है।

इतिपि सो भगवा सम्मसम्बुद्धो, बाहुल्लिको, सुगतो, तथागतो, लोकविदू..

भग्ग +वान= भगवान या भग्नवान

भग या भग्ग = नष्ट करना, भंग करना

वा = मन के छ-विकार (वासना)

जिसने मन के विकारों वासनाओं को नष्ट कर दिया. जिसने राग- द्वेष -मोह (तृष्णा) को नष्ट कर दिया, जो अरहत हो गए, बुद्ध हो गए. इसलिए तथागत को भगवान कहा गया है।

भग्ग रागो ति..भगवा...

अर्थात – राग भग्न कर लिया इसलिए भगवान

भग दोसो ति..भगवा....

दोष भग्न कर लिया इसलिए भगवान

भग्ग मोहो ति.. भगवा...

मोह भग्न कर लिया इसलिए भगवान

भगवति नेत नाम मातरा, ना पितरा, न भातरा, न समण ब्राह्मणेहि, न देवताहि कत..

अर्थात 'भगवान' नाम माता पिता,भाई बहन, श्रमण ब्राह्मण या देवता किसी का दिया हुआ नहीं है बल्कि जिन्होंने परम सत्य का साक्षात्कार कर बुद्धत्व को प्राप्त किया। इसलिए बुद्ध को भगवान कहा जाता है।

भगवा/काषाय रंग का चीवर कैसे बना ?

भगवान बुद्ध ने भिक्खु आनंद को प्रकृति के रंगों को प्रकट करता हुआ चीवर का रंग ऐसा करने को कहा जो ज्ञान, श्रम, शौर्य व वैराग्य को प्रकट करता हो. जो मन के विकारों को नष्ट कर मन पर विजय का प्रतीक हो। और वृक्ष की छाल से रंगा हुआ जो रंग सामने आया वह 'भगवा'' काषाय' रंग कहलाया।

बौद्ध साहित्य की कई अच्छी शिक्षाओं, पात्रों व शब्दों को चुराकर बाद में हर किसी के साथ चिपका कर विकृत कर दिया. जैसे देवी, देवता, आर्य, साधु, भगवान आदि शब्द और कई उत्सव व पर्व। यही नहीं स्वयं बुद्ध को ही अवतार घोषित कर दिया जिन्होंने अवतारवाद का विरोध किया था।

ताज्जुब यह है कि तथागत की शिक्षाओं को जाने बिना, सच्चाई को जाने बिना दूसरों द्वारा विकृत किए स्वरूप को देखकर ही हमारे कुछ लोग इन शब्दों के प्रयोग से एतराज करते हैं।

आज भगवान का अर्थ माना जाता है ईश्वर या परमात्मा (त्तश्स्त्र) सृष्टि की रचना करने वाला, संसार का पालन और इसका संहार करने वाला. ऐसी शक्ति या ईश्वर जो पूजा पाठ, भजन कीर्तन, जाप मंत्र, तीर्थयात्रा से प्रसन्न होता है। भक्तों के पाप माफ करता है। मन्नतें पूरी करता है आदि। लेकिन बुद्ध इस तरह के भगवान के विकृत रूप के दायरे में कतई नहीं आते है।

उस काल में 'भगवान' सिर्फ बुद्ध और महावीर को ही कहा गया। लेकिन जैसा कि बुद्ध कहते है कि हर व्यक्ति में बुद्ध या भगवान बनने की क्षमता है इसलिए इस अवस्था को कोई भी प्राप्त कर सकता है।

'भगवान' शब्द गौरवशाली इतिहास और गरिमा का प्रतीक है। पराया नहीं, अपना है। इसका परहेज या विरोध करने की बजाएं बार बार प्रयोग करना चाहिए ताकि सच्चाई सामने आ सकें और फिर से भगवान बुद्ध की मानव के कल्याणकारी शिक्षाओं से जगत अपना कल्याण कर सकें।

सबका मंगल हो.....सभी प्राणी सुखी हो

आलेख: डॉ.एम एल परिहार, जयपुर

सीखे हुए ज्ञान से मुक्ति

एक निवेदन कर देना उचित है, वह यह कि मेरे उत्तर आपके उत्तर नहीं हो सकते हैं। प्रश्न आपका है, तो अंतत: आपको अपना ही उत्तर खोजना होगा। किसी दूसरे का उत्तर काम नहीं देगा। लेकिन हम उत्तर खोजने की तलाश में होते हैं, शास्त्रों में खोजते हैं, सिद्धांतों में खोजते हैं, गुरुओं में खोजते हैं, और यह आशा रखते हैं कि शायद उत्तर कहीं हमें मिल जाए। लेकिन कभी बाहर से कोई उत्तर नहीं मिलता है। सत्य के संबंध में, आत्मा के संबंध में, परमात्मा के संबंध में कोई उत्तर कभी बाहर से नहीं मिलता।

आप कहेंगे कि कैसी मैं बात कहता हूं ???

शास्त्र भरे पड़े हुए हैं, उत्तरों से और पंडितों के मस्तिष्क भरे हुए हैं, और हम सब भी तो छोटे-मोटे पंडित तो हैं कि, थोड़ा बहुत जानते हैं; हम सबके मन में भी बहुत उत्तर हैं।

लेकिन स्मरण रखें, उत्तर कितने भी इकट्ठे हो जाएं, प्रश्न समाप्त नहीं होगा। प्रश्न वहीं का वहीं बना रहेगा।

उत्तरों का संग्रह हो जाएगा।

प्रश्न को उत्तर स्पर्श नहीं करेंगे। इसलिए कोई कितना ही पढ़े, कितना ही सिद्धांतों को, थिरीज को, आइडियोलॉजिस को समझ लें, इकट्ठा कर ले, सारे शास्त्रों को पी जाए फिर भी जीवन का उत्तर उसे उपलब्ध नहीं होता है।

उत्तर बहुत हो जाते हैं उसके पास लेकिन कोई समाधान नहीं होता। समाधान न हो तो प्रश्न का अंत नहीं होता है।

प्रश्न का अंत न हो तो चिंता समाप्त नहीं होती है।

चिंता समाप्त न हो तो वह जो चित्त की अशांति है, जो केवल ज्ञान के मिलने पर ही उपलब्ध होती है, उपलब्ध नहीं की जा सकती।

फिर भी मैं आपको उत्तर दे रहा हूं, यह जानते हुए भी कि मेरा उत्तर, आपका उत्तर नहीं हो सकता, फिर किसलिए उत्तर दे रहा हूं ???

दो कारण हैं, एक तो इसी भांति मैं आपको बता सकता हूं कि जो उत्तर आपने दूसरों से सीख लिए हैं, वे व्यर्थ हैं। लेकिन भूल होगी उनको हटा दें, और जो मैं उत्तर दूं उन्हें अपने मन में रख लें, यह भी दूसरे का ही उत्तर होगा।

तो मैं जो उत्तर दे रहा हूं, एक अर्थ में केवल निषेधात्मक हैं, एक अर्थ में केवल डिस्ट्रक्टिव हैं। चाहता हूं कि आपके मन में जो उत्तर इकट्ठे हैं वे नष्ट हो जाएं, लेकिन उनकी जगह मेरा उत्तर बैठ जाए, यह नहीं चाहता हूं।

मन खाली हो, प्रश्न भर रह जाए,
प्रश्न हो पर मन खाली,

जिज्ञासा हो; हमारे पूरे प्राण प्रश्न के साथ संयुक्त हो जाएं। हमारे पूरी श्वास-श्वास में प्रश्न समस्या खड़ी हो जाए, तो आप हैरान होंगे, आपके ही भीतर से उत्तर आना प्रारंभ हो जाता है। जब पूरे प्राण किसी प्रश्न से भर जाते हैं, तो प्राणों के ही केंद्र से उत्तर आना शुरु हो जाता है।

जो भी ज्ञान उपलब्ध हुआ है, वह स्वयं की चेतना से उपलब्ध हुआ है। कभी भी, इतिहास के किन्हीं वर्षों में, अतीत में या भविष्य में कभी यदि होगा, तो वह अपने ही भीतर खोज लेना होता है।

समस्या भीतर है, तो समाधान भी भीतर है।
प्रश्न भीतर है, तो उत्तर भी भीतर है।

ओशो

स्वयं की सत्ता (प्रवचन-02)

समाचार

राष्ट्रीय तिरंगा देश की आन बान और शान: जसबीर सिंह
पिपली अनाजमंडी में एसोसिएशन ने मंडी की हर दुकान पर तिरंगा झंडा लगाने की शुरूआत

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल

कुरुक्षेत्र। मार्किट कमेटी पिपली के सचिव जसबीर सिंह ने कहा है कि राष्ट्रीय तिरंगा देश की आन बान और शान है। तिरंगे का मान सम्मान करना प्रत्येक भारतीय का धर्म है। तिरंगा जहां राष्ट्रीयता की भावना पैदा करता है, वही हमें तिरंगा देश की अखंडता और एकजुटता के लिए भी संदेश देता है। तिरंगा झंडा हमें उन वीर शहीदों की याद भी दिलाता है जिन्होंने देश की आजादी के दौरान अपने प्राणों की बलि देकर देश को आजाद करने का काम किया। आज हम उन्हीं शहीदों की बदौलत ही खुले में सांस ले रहे हैं। वे मंगलवार को पिपली अनाज मंडी में अनाज मंडी आढ़ती एसोसिएशन द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के तहत मंडी की प्रत्येक दुकान पर राष्ट्रीय तिरंगा फहराने के अभियान की शुरुआत कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय तिरंगा हमें देश के प्रति कर्तव्य की याद दिलाता है। इसलिए हमें अपने कर्तव्य का पालन करते हुए अभियान के तहत अपने घरों व संस्थान पर राष्ट्रीय तिरंगा फहराने का काम करें। राष्ट्रीय तिरंगा फहराने के समय हम तिरंगे की मर्यादा का भी ध्यान रखें और नियमों के अनुसार ही तिरंगा फहराये। पिपली अनाजमंडी आढती एसोसिएशन के महासचिव धर्मपाल मथाना ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में सरकार ने जो हर घर तिरंगा अभियान चलाया हुआ है वह सराहनीय है। इससे देश के लोगों में देशभक्ति भावना बढ़ती है और भाईचारा मजबूत होता है। इस मौके पर उन्होंने मार्केट कमेटी के सचिव जसबीर सिंह का स्वागत करते हुए कहा कि मार्केट कमेटी के सचिव व कर्मचारियों ने हर घर तिरंगा अभियान के तहत जो सहयोग किया है वह सराहनीय है। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन के प्रधान अमीरचंद इस समय ऑस्ट्रेलिया में हैं और उन्होंने वहीं से ही हर घर तिरंगा अभियान के लिए शुभकामनाएं दी हैं। इसके बाद उन्होंने मार्केट कमेटी के सचिव जसबीर सिंह के साथ पिपली अनाज मंडी कि प्रत्येक दुकान पर तिरंगा फहराने की शुरुआत की और कई दुकानों पर जाकर आढतियों को तिरंगे झंडे दिए। इस मौके पर तिरंगा यात्रा भी निकाली गई जिसमें एसोसिएशन और मंडी के आढ़तियों ने भाग लिया। इस मौके पर पिपली अनाज मंडी के पूर्व प्रधान राजीव गोयल, मामचंद, जोगिंदर रामगढ़, उप प्रधान मोहित गर्ग, अजय सैनी, पवन मदान, बनारसी दास प्रजापत, राजेश सैनी, नायब सिंह सैनी, राजकुमार, नरेंद्र, शिला सैनी, कर्ण सिंह, गुरमीत सिंह, सुरेंद्र नरूला, वीरेंद्र, अजय सिंगला, हुकम चंद आदि मौजूद रहे।

कॉमनवेल्थ गेम्स में 21 पदक जीतकर खिलाडियों ने किया देश -प्रदेश का नाम रोशन: संदीप गर्ग

गजब हरियाणा न्यूज/शर्मा

बाबैन। मेहनत के निशानों के बलबूते देश के खिलाडियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में 21 स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचने का काम किया है और देश - प्रदेश का नाम रोशन करने का गौरव हासिल किया जो बेहद सराहनीय है। उपरोक्त शब्द स्टालवार्ट फाउंडेशन के चेयरमैन व समाजसेवी संदीप गर्ग ने बाबैन अनाज मंड़ी मे क्रिकेट प्रतियोगिता के फाईनल मैच का रिबन काटकर शुभारंभ करने के उपरांत कहे। इस प्रतियोगिता में 24 टीमों ने भाग लिया और फाईनल मैच के शुभारंभ अवसर पर समाजसेवी संदीप गर्ग उपस्थित टीमों के खिलाडियों से रू ब रू हुए। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग नशे जैसी बुराईयों से बचें ओर खेलों में अधिक-से-अधिक समय दें। इस प्रतियोगिता का फाईनल मैच ककराल व खरींडवा के बीच खेला गया जिसमें खरींडवा की टीम ने दस विकेट से जीत हासिल की। संदीप गर्ग ने कहा कि अच्छे खिलाडी खेलों में अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन करके जीत हासिल करते हैं और जिस टीम में आपसी तालमेल और अधिक मेहनत करने की क्षमता होती है, जीत उनके स्वयं ही कदम चुमती है। खिलाडी के अच्छे प्रदर्शन से जहां उपस्थित दर्शक खेल का भरपुर आन्नद लेते हैं और खिलाडी भी प्रदेश, जिला व देश का नाम रोशन करने में कामयाबी हासिल करते हैं। संदीप गर्ग ने कहा कि ग्रामीण स्तर पर ऐसी प्रतियोगिता का आयोजन करने से युवाओं को सही दिशा देकर समय का सही सदूपयोग होता है तथा शरीर भी स्वस्थ रहता है। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए आज के युग में खेलों का विशेष महत्व है। इसलिए युवा खेलों में आगे आएं और अपना प्रचम लहराएं। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने से खिलाडी का मनोबल बढ़ता है और उसकी प्रतिभा में निखार आने पर वह पहले से बेहत्तर प्रर्दशन करता है। इस मौके पर गुरमेल सिंह, अनुप रावल, सुरेंद्र, अजय कुमार, सोनू, सचिन कुमार, साहब सिंह व अन्य खिलाड़ी मौजूद रहे।

अमृतवाणी

अमृतवाणी
श्री गुरु रविदास जिओ की
जय गुरूदेव जी
वाणी:- धरम हेतहि कीजिये सौ बरस लौं कार ।।
रविदास करम ही धरम है फल महिं नहि अधिकार ।।
व्याख्या :- श्री गुरू रविदास महाराज जी पवित्र अमृतवाणी में फरमान करते हुए कहते है कि सौ बरस के जीवन में भी जीव को श्रेष्ठ कर्म करने चाहिए। श्री गुरु रविदास जी कहते हैं कि कर्म ही श्रेष्ठ धर्म है और ऐसे कर्म करते हुए जीव को फल की इच्छा नहीं करनी चाहिए।
धन गुरुदेव जी

बुद्ध ने सिखाई आत्मनियंत्रण की कला

एक लड़का अत्यंत जिज्ञासु था। जहां भी उसे कोई नई चीज सीखने को मिलती, वह उसे सीखने के लिए तत्पर हो जाता।

उसने एक तीर बनाने वाले से तीर बनाना सीखा, नाव बनाने वाले से नाव बनाना सीखा, मकान बनाने वाले से मकान बनाना सीखा, बांसुरी वाले से बांसुरी बनाना सीखा। इस प्रकार वह अनेक कलाओं में प्रवीण हो गया। लेकिन उसमें थोड़ा अहंकार आ गया। वह अपने परिजनों व मित्रों से कहता- 'इस पूरी दुनिया में मुझ जैसा प्रतिभा का धनी कोई नहीं होगा।'

एक बार शहर में गौतम बुद्ध का आगमन हुआ। उन्होंने जब उस लड़के की कला और अहंकार दोनों के विषय में सुना, तो मन में सोचा कि इस लड़के को एक ऐसी कला सिखानी चाहिए, जो अब तक की सीखी कलाओं से बड़ी हो। वे भिक्षा का पात्र लेकर उसके पास गए।

लड़के ने पूछा- 'आप कौन हैं?' बुद्ध बोले 'मैं अपने शरीर को नियंत्रण में रखने वाला एक आदमी हूं।' लड़के ने उन्हें अपनी बात स्पष्ट करने के लिए कहा। तब उन्होंने कहा- 'जो तीर चलाना जानता है, वह तीर चलाता है। जो नाव चलाना जानता है, वह नाव चलाता है, जो मकान बनाना जानता है, वह मकान बनाता है, मगर जो ज्ञानी है, वह स्वयं पर शासन करता है।'

लड़के ने पूछा 'वह कैसे?' बुद्ध ने उत्तर दिया- 'यदि कोई उसकी प्रशंसा करता है, तो वह अभिमान से फूलकर खुश नहीं हो जाता और यदि कोई उसकी निंदा करता है, तो भी वह शांत बना रहता है और ऐसा व्यक्ति ही सदैव आनंद में रहता है।' लड़का जान गया कि सबसे बड़ी कला स्वयं को वश में रखना है। कथा का सार यह है कि आत्मनियंत्रण जब सध जाता है, तो समभाव आता है और यही समभाव अनुकूल-प्रतिकूल दोनों स्थितियों में हमें प्रसन्न रखता है।

बीपी मंडल जयंती विशेष(25 अगस्त)

बीपी मंडल- सामाजिक न्याय के पुरोधा या जातीय राजनीति के जनक ?

देश 25 अगस्त को को मंडल आयोग के जनक बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल की 104 वीं जयंती मनाने जा रहा है। बीपी मंडल की रिपोर्ट ने 90 के दशक के बाद भारत की राजनीति को बदल कर रख दिया था। द्वितीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष के रूप में उनकी रिपोर्ट ने लागू होने के साथ देश में भूचाल-सा ला दिया। रिपोर्ट के पक्ष और विपक्ष में पूरा देश बंटा गया। हर तरफ आन्दोलन करते हुए छात्र नौजवान सड़क पर थे। राजनीतिक रूप से कोई राजनीतिक दल इस रिपोर्ट और उसकी सिफारिशों का विरोध करने की हिम्मत नहीं जुटा पाया।

क्या यह सिर्फ राजनीतिक दलों की वोट बैंक की बात थी या देश की जरूरत ? बीपी मंडल क्या थे- सामाजिक न्याय के पुरोधा या जातीय राजनीति के जनक? 25 अगस्त 2022 से पूरे देश का पिछड़ा समाज अपने इस महानायक का जन्मशताब्दी मना रहा है।

मंडल विचार के संपादक और शिक्षाविद् प्रो. श्यामल किशोर यादव बताते हैं कि जाति व्यवस्था भारतीय समाज की वह हकीकत रही है जो हमें कई स्तरों में बांटती है। इस स्तर को खत्म करने के लिए समान अवसर के सिद्धांत पर मंडल आयोग ने रिपोर्ट दी। समाज का जिस वर्ग ने सदियों से हमारी जाति व्यवस्था और परंपराओं के कारण अपने सामाजिक विकास के अवसर को खो दिया था, आजाद भारत में उन्हें वह अवसर प्रदान कराना हमारे नीति निर्माताओं के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती थी। तभी तो पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन किया गया. फिर किसी एकलव्य को अपना अंगूठा न देना पड़े और किसी शंबुक का गर्दन न कटे, मंडल आयोग की यही चाहत थी, लेकिन इस सिफारिश को लागू करने वाले पूर्व प्रधानमंत्री बीपी सिंह को भी अपनी कुर्सी गवांनी पड़ी।

बीपी मंडल के बारे में प्रोफेसर श्यामल किशोर बताते हैं कि बीपी मंडल ने अपनी रिपोर्ट को तैयार करने के लिए पूरे देश का भ्रमण किया। उन्होंने देश की तीन हजार सात सौ 43 अन्य पिछड़ी जातियों की पहचान की और उन्हें समाज के मुख्य धारा में लाने के लिए अपनी सिफारिशें दी।

लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य रह चुके बीएन मंडल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो.(डॉ.) आर. के. यादव %रवि% बताते हैं कि बीपी मंडल ने क्षेत्र के आधार पर जातियों का सामाजिक और शैक्षणिक स्तर का अध्यन किया जिसके आधार पर इन जातियों को पिछड़े और अगड़े वर्ग में रखा गया। यह प्रावधान सिर्फ कुछ जातियों के लिए नहीं बल्कि सभी के लिए था जो हमारी क्षेत्रीय विविधता और परंपराओं के कारण आधुनिक समाज में पिछड़े रह गए। उन्होंने जो आरक्षण या कहें विशेष अवसर का सिद्धांत दिया वह हमेशा के लिए नहीं है। वह तो अवसर में भागेदारी सुनिश्चित करने के लिए है। उन्होंने भारतीय समाज का वैज्ञानिक अध्ययन किया जिस वजह से उनकी सिफारिशों को आज तक चुनौती नहीं दी जा सकी है।

बीपी मंडल के पुत्र जदयू नेता और पूर्व विधायक मनीन्द्र कुमार मंडल की मानें तो उन्होंने जो रिपोर्ट तैयार किया वह पिछड़ों का ग्रन्थ हैं। उन्होंने समाज के वंचित वर्ग के उत्थान और उसे मुख्य धारा में लाने के लिए जो सिफारिशें की उसका 50 प्रतिशत भी सरकार तीन दशक बाद भी लागू नहीं कर पाई है। आज भी मंडल का सामाजिक न्याय का सपना अधूरा है।

सोशल साईट साभार

नारायणा गुरु जयंती विशेष(26 अगस्त)

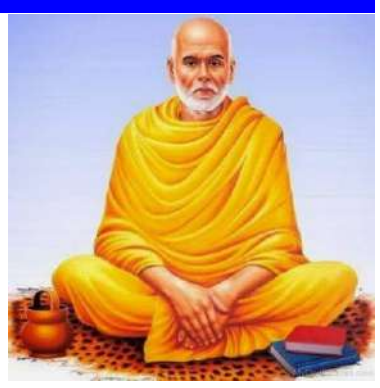

श्री नारायण गुरु एक उत्प्रेरक और नेता थे जिन्होंने उस समय समाज में प्रचलित दमनकारी जाति व्यवस्था में सुधार किया।

श्री नारायण गुरु एक उत्प्रेरक और नेता थे जिन्होंने उस समय समाज में प्रचलित दमनकारी जाति व्यवस्था में सुधार किया।

समाज सुधारक की जयंती को चिह्नित करने के लिए इस दिन को केरल राज्य में सार्वजनिक अवकाश के रूप में भी मनाया जाता है।

श्री नारायण गुरु जयंती 26 अगस्त को पूरे केरल राज्य में धूमधाम से मनाई जाएगी। समाज सुधारक की जयंती को चिह्नित करने के लिए इस दिन को राज्य में सार्वजनिक अवकाश के रूप में भी मनाया जाता है। श्री नारायण गुरु एक उत्प्रेरक और नेता थे जिन्होंने उस समय समाज में प्रचलित दमनकारी जाति व्यवस्था में सुधार किया। उनके दर्शन ने हमेशा सामाजिक समानता, सभी के लिए शिक्षा और आध्यात्मिक ज्ञान की वकालत की। उस समय केरल में जाति व्यवस्था प्रचलित थी। एझावा जाति में जन्मे नारायण गुरु ने समाज की उच्च जाति से भेदभाव का अनुभव किया था। मलयालम में उनकी एक प्रसिद्ध कहावत थी 'एक जाति, एक धर्म, सभी के लिए एक ईश्वर।

नारायण गुरु ने 1888 में भगवान शिव के पहले मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की, जहां केरल के अरुविप्पुरम गांव में एक गैर-ब्राह्मण द्वारा एक मूर्ति की स्थापना की गई थी। उनके कदम ने उच्च जाति के ब्राह्मण समुदायों के खिलाफ जाति-विरोधी क्रांति को जन्म दिया।

बाद में, 1903 में, उन्होंने संस्थापक और अध्यक्ष के रूप में श्री नारायण धर्म परिपालन योगम (एसएनडीपी) की स्थापना की। संगठन आज भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कर रहा है। उन्होंने निचली जाति के लोगों को मंदिरों में प्रवेश की अनुमति देने के विरोध में राज्य भर में 40 से अधिक मंदिरों की स्थापना की थी।

जातिगत भेदभाव और अस्पृश्यता के खिलाफ प्रसिद्ध 'वाइकोम सत्याग्रह' विरोध आंदोलन ने अस्पृश्यता और असमानता को समाप्त कर दिया। इसलिए, यह दिन केरल में काफी महत्वपूर्ण है और इसे सार्वजनिक अवकाश के रूप में मनाया जाता है।

इस दिन राज्य में नारायण गुरु के मंदिर हैं। लोग इस दिन को मंदिरों के साथ-साथ सड़कों को फूलों और सूखे नारियल के पत्तों से सजाकर मनाते हैं। महान गुरु की याद में सौहार्दपूर्ण जुलूस और सामुदायिक दावतें निकाली जाती हैं।

लोगों को नारायण गुरु की शिक्षाओं और दर्शन की याद दिलाने के लिए आम प्रार्थनाओं का आयोजन और जाति या पंथ के लोगों द्वारा किया जाता है।

शिवगिरी तीर्थ की स्थापना 1924 में स्वच्छता, शिक्षा, भक्ति, कृषि, हस्तशिल्प और व्यापार के गुणों को बढ़ावा देने के लिए की गई थी। उनका दर्शन और शिक्षा केरल के लोगों के लिए जीवन जीने का एक तरीका है। 20 सितंबर, 1928 को उनका निधन हो गया।

भारत का संविधान के भाग और अनुच्छेद

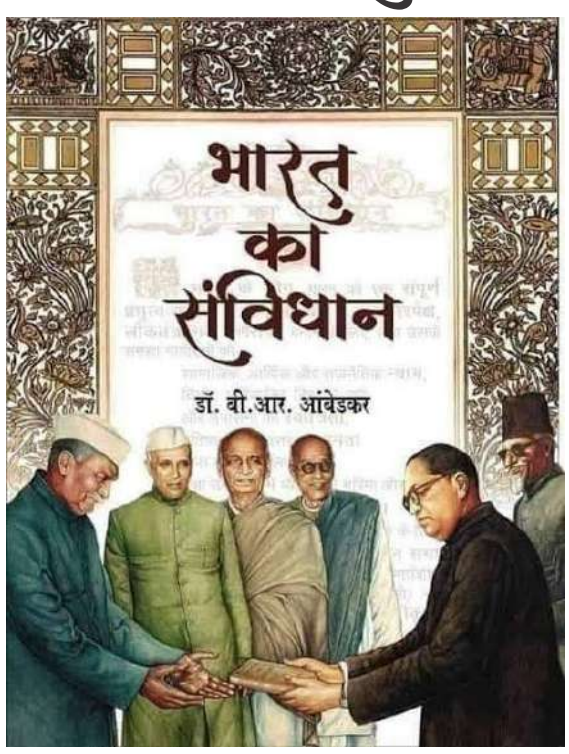

भाग 1: संघ और उसका राज्य क्षेत्र
अनुच्छेद 1: संघ का नाम और राज्य क्षेत्र
अनुच्छेद 2 : नए राज्यों का प्रवेश या स्थापना
अनुच्छेद 3 : राज्य का निर्माण तथा सीमाओं या नामों मे परिवर्तन
अनुच्छेद 4 : पहली अनुसूचित व चौथी अनुसूची के संशोधन तथा दो और तीन के अधीन बनाई गई विधियां
भाग 2: नागरिकता
अनुच्छेद 5 : संविधान के प्रारंभ पर नागरिकता
अनुच्छेद 6 : भारत आने वाले व्यक्तियों को नागरिकता
अनुच्छेद 7 : पाकिस्तान जाने वालों को नागरिकता
अनुच्छेद 8 : भारत के बाहर रहने वाले व्यक्तियों का नागरिकता
अनुच्छेद 9 : विदेशी राज्य की नागरिकता लेने पर नागरिकता का ना होना
अनुच्छेद 10 : नागरिकता के अधिकारों का बना रहना
अनुच्छेद 11: संसद द्वारा नागरिकता के लिए कानून का विनियमन
भाग 3: मूल अधिकार
अनुच्छेद 12 : राज्य की परिभाषा
अनुच्छेद 13 : मूल अधिकारों को असंगत या अल्पीकरण करने वाली विधियां
समता का अधिकार
अनुच्छेद 14 : विधि के समक्ष समानता
अनुच्छेद 15 : धर्म जाति लिंग पर भेद का प्रतिशेध
अनुच्छेद 16 : लोक नियोजन में अवसर की समानता
अनुच्छेद 17 : अस्पृश्यता का अंत
अनुच्छेद 18 : उपाधीयों का अंत
स्वतंत्रता का अधिकार
अनुच्छेद 19: वाक् की स्वतंत्रता
अनुच्छेद 20 : अपराधों के दोष सिद्धि के संबंध में संरक्षणझ
अनुच्छेद 21 : प्राण और दैहिक स्वतंत्रता
अनुच्छेद 21 क : 6 से 14 वर्ष के बच्चों को शिक्षा का अधिकार
अनुच्छेद 22 : कुछ दशाओं में गिरफ्तारी से सरंक्षण
अनुच्छेद 23 : मानव के दुर्व्यापार और बाल आश्रम
अनुच्छेद 24 : कारखानों में बालक का नियोजन का प्रतिशत
धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार
अनुच्छेद 25 : धर्म का आचरण और प्रचार की स्वतंत्रता
अनुच्छेद 26 : धार्मिक कार्यों के प्रबंध की स्वतंत्रता
अनुच्छेद 27 : किसी विशिष्ट धर्म की अभिवृद्धि के लिए करों के संदाय के बारे में स्वतंत्रता
अनुच्छेद 28 : कुल शिक्षा संस्थाओं में धार्मिक शिक्षा या धार्मिक उपासना में उपस्थित होने के बारे में स्वतंत्रता
संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार
अनुच्छेद 29: अल्पसंख्यक वर्गों के हितों का संरक्षण
अनुच्छेद 30 : शिक्षा संस्थाओं की स्थापना और प्रशासन करने का अल्पसंख्यक वर्गों का अधिकार
अनुच्छेद 31क : संपदाओं आदि के अर्जन के लिए उपबंध करने वाली विधियों की व्यावृत्ति
अनुच्छेद 31ख : कुछ अधिनियमों और विनियमों का विधिमान्यकरण
अनुच्छेद 31ग : कुछ निदेशक तत्वों को प्रभाव करने वाली विधियों की व्यावृत्ति
सांविधानिक उपचारों का अधिकार
अनुच्छेद 32 : अधिकारों को प्रवर्तित कराने के लिए उपचार
अनुच्छेद 33 : इस भाग द्वारा प्रदत्त अधिकारों का बलों आदि को लागू होने में, उपांतरण करने की संसद की शक्ति
अनुच्छेद 34 : जब किसी क्षेत्र में सेना विधि प्रवृत्त है तब इस भाग द्वारा प्रदत्त अधिकारों पर निर्बन्धन
अनुच्छेद 35 : इस भाग के उपबंधों को प्रभावी करने का विधान ऊपर
भाग 4: राज्य की नीति के निदेशक तत्व
अनुच्छेद 36 : परिभाषा
अनुच्छेद 37 : इस भाग में अंतर्विष्ट तत्वों का लागू होना
अनुच्छेद 38 : राज्य लोक कल्याण की अभिवृद्धि के लिए सामाजिक व्यवस्था बनाएगा
अनुच्छेद 39 : राज्य द्वारा अनुसरणीय कुछ नीति तत्व
अनुच्छेद 39क : समान न्याय और नि:शुल्क विधिक सहायता
अनुच्छेद 40 : ग्राम पंचायतों का संगठन
अनुच्छेद 41 : कुछ दशाओं में काम, शिक्षा और लोक सहायता पाने का अधिकार
अनुच्छेद 42 : काम की न्यायसंगत और मानवोचित दशाओं का तथा प्रसूति सहायता का उपबंध
अनुच्छेद 43 : कर्मकारों के लिए निर्वाह मजदूरी आदि
अनुच्छेद 43क : उद्योगों के प्रबंध में कार्मकारों का भाग लेना
अनुच्छेद 44 : नागरिकों के लिए एक समान सिविल संहिता
अनुच्छेद 45 : बालकों के लिए नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा का उपबंध
अनुच्छेद 46 : अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य दुर्बल वर्गों के शिक्षा और अर्थ संबंधी हितों की अभिवृद्धि
अनुच्छेद 47: पोषाहार स्तर और जीवन स्तर को ऊंचा करने तथा लोक स्वास्थ्य को सुधार करने का राज्य का कर्तव्य
अनुच्छेद 48 : कृषि और पशुपालन संगठन
अनुच्छेद 48 क : पर्यावरण वन तथा वन्य जीवों की रक्षा
अनुच्छेद 49 : राष्ट्रीय स्मारक स्थानों और वस्तुओं का संरक्षण
अनुच्छेद 50 : कार्यपालिका से न्यायपालिका का प्रथक्करण
अनुच्छेद 51 : अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा
भाग 4क : मूल कर्तव्य
अनुच्छेद 51 क : मूल कर्तव्य

घर पर सो रहे दो सगे भाइयों को सांप ने काटा एक की मौत दूसरा गंभीर

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । गांव अमीन में घर पर सो रहे दो भाइयों को सांप ने काट लिया। सांप के काटने से एक बच्चे करीब 7 वर्षीय सलमान की मौत हो गई जबकि दूसरा करीब 5 वर्षीय अरमान की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना से गांव में सनसनी मच गई। पिता व परिजनों में शोक की लहर है। धर्मनगरी के अमीन गांव में सांप के काटने से एक बच्चे सलमान की मौत हो गई दूसरे छोटे भाई अरमान की हालत गंभीर होने के चलते वह निजी अस्पताल में जिंदगी व मौत की लड़ाई लड़ रहा है। मृतक के पिता अब्दुल गफ्फार ने बताया कि सुबह देखा कि उनके उनका बड़ा बेटा सलमान बेहोश था। उसे वो डॉक्टर के पास लेकर आए तो डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वही घर पहुंचे तो दूसरे छोटे बेटे अरमान ने भी पेट दर्द और उल्टी की शिकायत की तो उसे भी एक निजी अस्पताल लेकर गए। वही इलाज कर रहे डॉक्टर लोकेंद्र गोयल ने कहा कि यह स्नेक बाइट का मामला है और बच्चों को करैत नामक जहरीले सांप ने काटा है जो घर में घुसकर सोए हुए लोगों को अपना शिकार बनाता है बच्चे की हालत गंभीर मगर स्थिर

मृतक बच्चे की फाइल फोटो

है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए डा. लोकेंद्र गोयल ने कहा कि करैत सांप जहरीला सांप है। सांप के काटने के बाद तीन से चार घंटे का समय मिलता है जिसमें उपचार किया जा सकता है यदि देरी हो जाए तो बचाना मुश्किल हो जाता है। यह ज्यादातर सोये हुए व्यक्ति को काटता है। ये सांप जहां काटता है उस जगह पर दर्द नही होता है।

डॉ अंबेडकर सेवा समिति ने आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत फहराया तिरंगा

गजब हरियाणा न्यूज

कुरुक्षेत्र । अमीन कि श्री गुरु रविदास धर्मशाला में डॉ.भीम राव अम्बेडकर कल्याण समाज शिक्षा सेवा समिति के सभी पदाधिकारियों ने आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया। इस अवसर पर कमेटी के प्रधान कैप्टन लखी राम ने कहा की भारत की 75वी वर्षगांठ है जो कि हमारे लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि आज हर घर तिरंगा कार्यक्रम से हर भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों के महान त्याग के प्रति नतमस्तक हैं, जिन्होंने आजादी की लड़ाई में इतिहास में अपना योगदान दिया। इस

अवसर पर रोशनलाल बामणिया, लखमी चंद , सुन्दर लाल फूले ,बाबूराम, मास्टर राजकुमार, पृथ्वी सिंह, डॉक्टर पृथ्वी सिंह , रणपत, रोशन लाल फुले , रणधीर सिंह बामणिया,महिपाल अमीन आदि मौजूद थे।

नप की चेयरपर्सन उम्मीदवार तनुजा की अगुवाई में शहर में बढ़ रहा इनेलो का कुनबा

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । धर्मनगरी में इनेलो का कुनबा दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है इसका श्रेय इनैलो की ओर से नगर परिषद की चेयरपर्सन उम्मीदवार तनुजा को जाता है। तनुजा ने एक बार फिर बीते दिनों भाजपा के गढ़ में सेंध लगाते हुए हजारों लोगों को इनैलो में शामिल किया। थानेसर नगर परिषद के अंतर्गत आने वाले वार्ड नंबर 5 में कीर्ति नगर की काली मंदिर वाली गली में एक विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में हजारों लोग इनैलो नेत्री तनुजा के नेतृत्व में इनैलो में शामिल हुए। इस मौके पर तनुजा ने कहा कि इनेलो पार्टी में शुरू से ही हर कार्यकर्ता को सम्मान मिलता है जो लोग इनेलो में शामिल हो रहे हैं सभी लोगों को पार्टी की ओर से पूरा मान-सम्मान मिलेगा।

उन्होंने बताया कि वार्ड नंबर 5 से इनैलो की ओर से मीनू देवी पार्षद पद के प्रत्याशी होंगी। मीनू देवी वार्ड नंबर 5 की रहने वाली है और पढ़ी-लिखी युवा महिला है। इससे पूर्व भी इनेलो वार्ड नंबर 27 से दिलावर सागवाल, वार्ड नंबर 8 से निवर्तमान पार्षद जोगिंद्र सिंह की धर्मपत्नी सरोज बाला और अब वार्ड नंबर 5 से मीनू देवी को नगर परिषद का उम्मीदवार घोषित कर चुकी हैं।

इनैलो नेत्री तनुजा ने बताया कि शहर के सभी 31 वार्डों में इनैलो की ओर से मजबूत उम्मीदवारों की तलाश जारी है। इसी कड़ी में तीन उम्मीदवार फाइनल हो चुके हैं और शेष सभी वार्डों से कई मजबूत प्रत्याशी उनके संपर्क में हैं, जल्द ही बाकी नामों की घोषणा भी हर वार्ड में आयोजित होने वाले विशाल कार्यक्रमों के दौरान की जाएगी। तनुजा ने कहा कि कुरुक्षेत्र को सही मायनों में विकास की राह

पर ले जाने का काम हम करेंगे। उन्होंने जनता से अपील की कि वो अपना आशीर्वाद, सहयोग, समर्थन और वोट उन्हें देकर भारी मतों से जिताने का काम करें। वे वायदा करती हैं कि जनता की उम्मीदों पर शत-प्रतिशत खरा उतरेंगी। इनेलो नेता धर्मवीर कश्यप ने बताया कि कीर्ति नगर में आयोजित हुए इस विशाल कार्यक्रम में 1500 से अधिक लोगों ने इनैलो में शामिल होने की घोषणा की। पार्टी में शामिल हुए सभी लोगों को इनैलो का पटका पहनाकर उनका सम्मान किया गया। उन्होंने कहा कि इनैलो चौधरी ओम प्रकाश चौटाला और चौधरी अभय सिंह चौटाला के नेतृत्व में दिन प्रतिदिन और मजबूत होती जा रही है। पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता चट्टान की तरह उनके साथ खड़ा है। इस मौके पर इनेलो नेता धर्मवीर कश्यप, तून खान, कुलदीप कौर, अमर सिंह, सुनहरा सिंह निवर्तमान पार्षद जोगिंदर सिंह, सरोज बाला, दिलावर सागवाल भी विशेष रूप से मौजूद रहे।

मौत के साए में शिक्षा ग्रहण कर रहे राजकीय प्राथमिक पाठशाला बजीदपुर के छात्र

जर्जर हालत में है स्कूल की बिल्डिंग

पंचायत ने प्रस्ताव पारित कर बिल्डिंग को किया है डेड घोषित
बरसात के दिनों में स्कूल के कमरों व बरामदे में भर जाता है पानी
बरसात के पानी के बीच बैठकर ही शिक्षा ग्रहण करते हैं छात्र

गजब हरियाणा न्यूज/रविन्द्र

पिपली । सरकार जहां बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के लंबे चौड़े दावे कर रही है लेकिन इन दावों के बीच खंड पिपली के राजकीय प्राथमिक पाठशाला बजीदपुर के छात्र मौत के साए में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। आलम है की बरसात के दिनों में स्कूल के कमरों व बरामदे में पानी खड़ा हो जाता है। इतना ही नहीं बरसात के पानी के चलते स्कूल में करंट के आने का भी खतरा बना रहता है। हालांकि स्कूल जर्जर हालत में पहुंच चुका है। ग्राम पंचायत की ओर से स्कूल को डैड कोशिश करने के लिए प्रस्ताव पारित किया गया है। स्कूल की एस एम सी प्रबंधक कमेटी द्वारा भी सकूल को डेड घोषित कर करने का प्रस्ताव जिला शिक्षा अधिकारी के पास भेजा हुआ है लेकिन इसके बावजूद भी आज तक इस स्कूल को ना तो लोक निर्माण विभाग ने डेड घोषित किया है और ना ही शिक्षा विभाग ने इस दिशा में कोई कारगर कदम उठाया है ऐसे में मौत के साए में छात्र शिक्षा ग्रहण करने के लिए मजबूर है।

स्कूल की इस बिल्डिंग में तीन कमरे व एक बरामदा है। जिसमें तीसरी व चौथी कक्षा के छात्र पढ़ाई करते हैं तथा एक स्टोर है। बरसात में पानी भर जाने के बावजूद छात्र पढ़ाई करने को मजबूर हैं। स्कूल की यह बिल्डिंग लगभग 1980 में बनाई गई थी। दीवारें व छत जर्जर हालात में हैं। ग्राम पंचायत ने इस बिल्डिंग को कंडम घोषित करवाने के लिए लगभग 4 वर्ष पहले एक प्रस्ताव पारित कर एसडीओ पीडब्ल्यूडी के पास भेजा गया था। इसके अलावा एसएमसी की मीटिंग में 26 मार्च 2021 व 5 अप्रैल 2022 को प्रस्ताव पारित कर खंड शिक्षा अधिकारी थानेसर को बिल्डिंग को कंडम करवाकर नई बिल्डिंग बनाने की गुहार लगाई गई थी। स्कूल की मुख्याध्यापिका ने भी खंड शिक्षा अधिकारी को जर्जर बिल्डिंग के बारे में अवगत कराया था। स्कूल में लगभग 160 छात्र-छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। स्कूल में 5 अध्यापक व एक मुख्याध्यापिका है जो 31अगस्त में

सेवानिवृत्त होगी।

प्रशासन कर रहा किसी बड़े हादसे का इंतजार : पालाराम

पंचायत के पूर्व सदस्य पाला राम ने बताया कि न तो शिक्षा विभाग ने बिल्डिंग की सुध ली और न ही सरकार व प्रशासन ने। शायद प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। सरकार की ओर से हर कक्षा में लगभग ढाई लाख रुपए की कीमत की डिजिटल ब्लैक बोर्ड लगा दिए गए है। लेकिन जब बिल्डिंग ही ठीक हालात में नही होगी तो बच्चे कैसे पढ़ाई करेंगे। यह सवाल ग्रामीणों को भी सत्ता रहा है।

जहरीले जीव जंतु से रहता है खतरा :

जसविंदर सिंह ग्रामीण जसविंदर सिंह ने बताया की बरसात के दिनों में स्कूल में पानी भर जाता है जिसके चलते बरसात के मौसम में जहरीले जीव जंतुओं का खतरा बना रहता है। इसके साथ साथ डिजिटल ब्लैक बोर्ड (एलईडी स्क्रीन) से करंट लगने का भी भय बना रहता उनका कहना है कि बच्चे मौत के साए में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी का कार्य देख रही जिला उप शिक्षा अधिकारी वंदना ने बताया कि अभी उन्होंने कार्यभार संभाला है। उन्होंने स्कूल में पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और कहा कि शीघ्र ही इस दिशा में निर्णय लेकर बिल्डिंग के बारे में सकारात्मक कदम उठाया जाएगा।

पालेराम

जसविंदर सिंह

केंद्र सरकार लोकतांत्रिक मर्यादाओं का कर रही हनन : सुरेंद्र सैनी भिवानी खेड़ा

सरकार की गलत नीतियों का विरोध करना विपक्ष का नैतिक दायित्व

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । कांग्रेस पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिला प्रधान सुरेंद्र सैनी भिवानी खेड़ा ने कहा है कि केंद्र सरकार लोकतांत्रिक मर्यादाओं का हनन करने का काम कर रही है ।संवैधानिक संस्थाओं को विपक्ष के खिलाफ प्रयोग करके केंद्र सरकार विपक्षी की आवाज दबाने का काम कर रही है । ऐसा करके केंद्र की सरकार ने जहां लोकतांत्रिक मर्यादाओं का उल्लंघन किया है वही ऐसा करके सरकार तानाशाही रवैया भी अपना रही है । वे शनिवार को अपने कार्यालय पर कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे ।

उन्होंने कहा कि विपक्ष का काम सरकार की कमजोरियों सरकार द्वारा किए जा रहे गलत कार्यों के खिलाफ आवाज उठाना है ताकि सरकार कमियों को ठीक करें और जनता को सुविधाएं देने का काम करें ।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते कांग्रेस पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिला प्रधान सुरेंद्र सैनी

कांग्रेस विपक्ष की भूमिका निभाने का काम कर रही है । देश की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी होने के नाते कांग्रेस ने केंद्र सरकार की गलत नीतियों को लेकर जो प्रदेश और देश के अंदर धरना प्रदर्शन देने का कार्य शुरू किया हुआ है वह लोकतंत्र की मर्यादाओं के अंदर किया जा रहा है । कांग्रेस कार्यकर्ता शांतिपूर्वक तरीके से धरना प्रदर्शन करके सरकार को जगाने का काम कर रहे हैं लेकिन इसके बावजूद केंद्र सरकार पुलिस बल के प्रयोग पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की आवाज को दबाने का काम कर रही है ।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस डरने वाली नहीं है । कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी, राष्ट्रीय महासचिव राहुल गांधी और प्रियंका गांधी सहित कांग्रेस के तमाम बड़े नेता केंद्र सरकार की गलत नीतियों का पुरजोर विरोध कर रहे हैं और सड़कों पर उतर कर सरकार की गलत नीतियों का जनता के सामने खुलासा कर रहे हैं । जो केंद्र की सरकार को रास नहीं आ रहा । जिसके चलते केंद्र की सरकार बदले की भावना से कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को दबाने का काम कर रही है जो कि लोकतंत्र के लिए किसी भी तरीके से वाजिब नहीं है । इस मौके पर पूर्व सरपंच बलवंत सैनी आदि मौजूद

तिरंगा हमारी संप्रभुता और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक: अमरिंदर सिंह अरोड़ा

गजब हरियाणा न्यूज/नरेन्द्र धुमसी

करनाल, हरियाणा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष तथा भाजपा के वरिष्ठ नेता अमरेंद्र सिंह अरोड़ा ने कहा कि पीएम मोदी के आह्वान पर देशभर में 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। तिरंगा हमारी संप्रभुता और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। हमें हर घर तिरंगा कार्यक्रम को महोत्सव की तरह मनाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय के मूल मंत्र पर चलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके सपने को साकार कर रहे हैं।अरोड़ा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का उद्देश्य अंतिम लाइन में खड़े व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है, और इसी संकल्प के साथ हरियाणा में भी भाजपा आगे बढ़ रही है। आज पीएम मोदी और सीएम मनोहर के समय में जनता को सीधा लाभ मिल रहा है और बैंक खातों में योजनाओं की रकम सीधे पहुंच रही है।अरोड़ा ने कहा कि आज़ादी के अमृत महोत्सव पर दलगत राजनीतिक से ऊपर उठकर हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 15 अगस्त को सभी विपक्षी नेताओं को राष्ट्रीय ध्वज फहराने का मौका देकर एक ऐतिहासिक फैसला किया है। वास्तव में मनोहर लाल हरियाणा की राजनीति के सबसे बड़े व्यवस्था प्रवर्तक हैं। उन्होंने हरियाणा में परिवारवाद, क्षेत्रवाद, जातिवाद व वंशवाद से ऊपर उठकर उन्होंने समग्र विकास को ही प्राथमिकता दी है

अमरेंद्र सिंह अरोड़ा ने कहा कि हमें अपने इतिहास के बुरे दिनों को भी याद रखना चाहिए ताकि सीख लेकर हम भविष्य की तैयारियां कर सकें। उन्होंने कहा विभाजन की विभीषिका को हमें याद रखना चाहिए और अमृत महोत्सव में अपने उन शहीदों को याद करना चाहिए।

पर्यावरण को बचाना है तो एक संकल्प के साथ लगानी होंगी त्रिवेणी : प्रवेश शर्मा

गजब हरियाणा न्यूज/नरेन्द्र धुमसी

करनाल। समाधानांचल संस्था की राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट संतोष यादव द्वारा त्रिवेणी लगाने का कार्य निरंतर नए आयामों को छू रहा है। इसी कड़ी में आज रक्षाबंधन के उपलक्ष्य पर दो त्रिवेणी का रोपण करनाल के चमन गार्डन व कर्म सिंह कॉलोनी में किया गया। इस अवसर पर मुख्यातिथि डायरेक्टर हरियाणा बिजली वितरण निगम प्रवेश शर्मा रहे। इस अवसर पर मुख्यातिथि प्रवेश शर्मा ने कहा कि आज रक्षाबंधन के पर्व पर हम सबको पेड़ पौधों की रक्षा करने का संकल्प लेना चाहिए, साथ ही साथ अधिक से अधिक संख्या में पेड़ पौधों का रोपण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि खासकर विशेष तौर पर त्रिवेणी का रोपण करना चाहिए, क्योंकि त्रिवेणी लगाने से वातावरण बड़ी तेजी से शुद्ध होता है। उन्होंने कहा कि पीपल तो ऐसा वृक्ष है जो 24 घंटे ऑक्सीजन देता है। इसके साथ ही औषधियों के तौर पर भी इन पौधों का अपना ही अलग महत्व है। वहीं, अशोक चावला त्रिवेणी लगाने के लिए दूसरों को प्रेरित करने से भी पुण्य की प्राप्ति होती है। हर वो इंसान जो श्रद्धाभाव एवं अध्यात्मिक भाव से त्रिवेणी को लगाता एवं लगवाता है तथा इसका पालन-पोषण करता है, उसका कोई भी सात्विक कर्म विफल नहीं होता है। त्रिवेणी में सभी देवी-देवताओं और पितरों का वास माना जाता है। इसलिए सबको त्रिवेणी स्वयं भी लगानी चाहिए और दूसरों को भी प्रेरित करना चाहिए। संगीता चावला ने कहा कि शुद्ध प्राणवायु मिल सके, धरती पर संतुलन बना रहे और आने वाली भावी पीढ़ी हम सब के प्रयासों से शुद्ध प्राणवायु में सांस ले सके, इसीलिए सभी को एक संकल्प के साथ त्रिवेणी लगानी होगी। पीपल 100 प्रतिशत, नीम व वट वृक्ष 80 प्रतिशत कार्बनडाइक्साइड सोखता है। वहीं संस्था की अध्यक्ष संतोष यादव ने बताया कि सस्था द्वारा भारत के हर गांव मे 11 त्रिवेणियां लगाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि त्रिवेणी लगाने के लिए कोई भी 94165-55264 पर सम्पर्क कर सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसा भी माना जाता है कि त्रिवेणी लगाने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस अवसर पर सरोज, इंद्रजीत, हर्ष वधवा, बिमला मान, देवा सिंह सहित आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।

द अबोर्ड ऑफ त्रिवेणी धम्मा करनाल सहित छ-स्थानों में किया शुरू

बता दें कि संस्था द्वारा द अबोर्ड ऑफ त्रिवेणी धम्मा महेंद्रगढ़ के गांव सयाना, महेंद्रगढ़ में स्थित हबर्ल पार्क, रेवाड़ी के करियाणा बाजार शॉपिंग काम्पलैक्स सेक्टर-3, करनाल, सोनीपत सहित छ- स्थानों में शुरू किया जा चुका है। आपको यह भी बता दें संस्था द्वारा यहां पर बन्नी बचाओ अभियान की शुरूआत करने पर भी विचार किया जा रहा है। गौरतलब है कि समाधानांचल संस्था विगत् आठ वर्षों से हरियाणा राज्य के विभिन्न जिलों में त्रिवेणी कार्यक्रम के तहत बरगद, पीपल तथा नीम के पौधों का वृषारोपण कर रही है। यहां यह भी विदित है कि संस्था ने पिछले वर्षों में हरियाणा राज्य के साथ-साथ राजस्थान, हिमाचल तथा पंजाब राज्य में भी इस त्रिवेणी कार्यक्रम को सफलतापूर्वक ढंग से संचालित किया है। वहीं संस्था की त्रिवेणी लगाओ मुहिम में आप लोग भी भूमि दान कर सहयोग कर सकते हैं, ताकि वहां पर द अबोर्ड आफ त्रिवेणी धम्मा की स्थापना करके लोगों को निशुल्क त्रिवेणियों प्राप्त करवाई जा सकें और अधिक से अधिक संख्या में त्रिवेणियों का रोपण और वितरण किया जा सके।

'गजब हरियाणा' समाचार पत्र के सभी पाठकों विज्ञापनदाताओं, लेखकों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

...सम्पादक

सभी देश व प्रदेश वासियों को हमारी और से स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

श्री नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

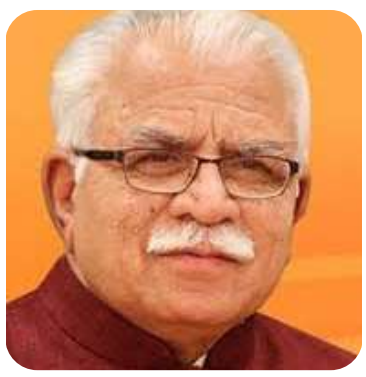

श्री मनोहर लाल खट्टर
मुख्यमंत्री

श्री अनिल विज
स्वास्थ्य मंत्री, हरियाणा सरकार

श्री नायब सिंह सैनी
सांसद

श्री सुभाष सुधा
विधायक

संदीप सिंह
राज्य खेल मंत्री

डा0 पवन सैनी
पुर्व विधायक, लाडवा

श्री मेवा सिंह
विधायक लाडवा

श्री मुकुल कुमार
उपायुक्त महोदय, कुरूक्षेत्र

श्री सुरेन्द्र भौरिया
पुलिस अधिक्षक, कुरूक्षेत्र

माननीय नरेन्द्र सिंह
जिला लोक सम्पर्क अधिकारी, कुरूक्षेत्र

जरनैल सिंह रंगा
सम्पादक गजब हरियाणा

रविन्द्र कुमार
पत्रकार व समाजसेवी

अमीत बंसल
पत्रकार व समाजसेवी

सुखबीर कुमार
पत्रकार व समाजसेवी

हरियाणा की खेल नीति देश में सबसे अच्छी

हरियाणा की खेल नीति की बदौलत ही राष्ट्रमंडल खेलों में हरियाणा के खिलाड़ियों का बजा डंका

भारतीय दल में हरियाणा के 43 खिलाड़ियों ने लिया भाग, 17 खिलाड़ियों ने जीते पदक

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र ।राष्ट्रमंडल 2022 खेलों में हरियाणा के खिलाड़ियों के बेहतरीन प्रदर्शन से हरियाणा के लोगों का दिल जीत लिया है । राष्ट्रमंडल खेलों में हरियाणा के खिलाड़ियों ने इस बार लठ गाड़ दिया। हरियाणा के धाकड़ खिलाड़ियों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि म्हारे पहलवानों का डंका पूरे विश्व में बजता है।

कूरूक्षेत्र लोकसभा निगरानी कमेटी के अध्यक्ष धर्मवीर डागर ,भाजपा की जिला महामंत्री अनु मालयान, भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य एडवोकेट अरविंद हरिपुर, पिपली अनाज मंडी एसोसिएशन के महासचिव धर्मपाल मथाना और भाजपा किसान मोर्चा कार्यकारिणी के सदस्य हरमेश सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार की खेल नीति का ही परिणाम है कि राष्ट्रमंडल खेलों में हरियाणा के खिलाड़ियों ने धड़ाधड़ गोल्ड मेडल जीते। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम में शामिल हरियाणा के खिलाड़ियों ने ना केवल खुद को साबित किया ।बल्कि पदक तालिका को भी आगे बढ़ाने का काम किया है। उन्होंने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि अपनी मेहनत के बलबूते पर इन सभी खिलाड़ियों ने देश व प्रदेश का नाम रोशन किया। उनका कहना है कि संपन्न हुए 22वे राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय दल में हरियाणा के 43 खिलाड़ियों ने भाग लिया ।

धर्मबीर डागर एडवोकेट अरविंद धर्मपाल मथाना अनु मालयान हरमेश सैनी

जिनमें से 17 खिलाड़ियों ने पदक लेकर देश व प्रदेश का नाम रोशन किया। चाहे दंगल का मैदान हो, बॉक्सिंग की रिंग हो, हॉकी का मैदान हो या अन्य खेल हो । हर खेल में हरियाणा के खिलाड़ियों का डंका बजा । भारत ने कुश्ती में 12 पदक जीते जिनमें से अकेले हरियाणा के 11 पद थे । बॉक्सिंग में भी भारत ने 7 पदक जीते जिनमें से हरियाणा के चार खिलाड़ी पदक जीते। यह सब हरियाणा की खेल नीति का ही परिणाम है कि हरियाणा के खिलाड़ियों का पूरे विश्व में डंका बजता है और इसका सारा श्रेय मुख्यमंत्री मनोहर लाल को जाता है जिन्होंने ऐसी खेल नीति बनाई जिसके पूरी दुनिया कायल हो गई ।

प्रेरणास्त्रोत: आदरणीय डॉ कृपा राम पुनिया, पूर्व मंत्री एवं से.नि.आई.ए.एस.
मार्गदर्शक: आदरणीय डॉ आर. आर.फुलिया, पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव हरियाणा सरकार एवं से.नि.आई.ए.एस

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने से पहले अच्छी तरह पड़ताल कर लें । किसी उत्पाद या सेवाओं के संबध में किसी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की '**गजब हरियाणा**' समाचार पत्र की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी। '**गजब हरियाणा**' समाचार पत्र के प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापनदाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेवार नहीं होंगे।

- समाचार पत्र के सभी पद अवैतनिक है। लेखकों के विचार अपने है। इनसे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र कुरुक्षेत्र होगा। प्रकाशित सामग्री से प्रिंटिंग प्रैस का कोई लेना देना नही है।
- समाचार पत्र से सम्बधिंत किसी भी प्रकार की आपत्ति या पूछताछ प्रकाशन तिथि के 15 दिन के अंदर संपादक के नोटिस में लाएं उसके पश्चात् किसी आपत्ति पर कोई भी कार्यवाही मान्य नही होगी या पूछताछ का जवाब देने के लिए समाचार पत्र या संपादक मंडल पाबंद नहीं होंगे।
- यदि ब्यूरो प्रमुख, पत्रकार व विज्ञापन प्रतिनिधि आदि लगातार 60 दिन तक समाचार पत्र के लिए काम नही करता है तो उसका समाचार पत्र से कोई संबंध नही होगा, ना ही उसके किसी भी दावे पर कोई विचार किया जाएगा।

तिरंगा लगाने के लिए लंबी लड़ाई लड़ने वाले नवीन जिंदल का मानना हर दिन फहराना चाहिए तिरंगा

कुरुक्षेत्र के पूर्व सांसद एवं देश प्रमुख उद्योगपति नवीन जिंदल ने दिलाया हर नागरिक को तिरंगा फहराने का अधिकार

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र ।देश की 14वीं तथा 15वीं लोकसभा में कुरुक्षेत्र के सांसद रहे देश के प्रमुख उद्योगपति नवीन जिंदल ने भारत के हर नागरिक को तिरंगा फहराने का अधिकार दिलाया था। आज जब देश की आजादी के 75 साल के अवसर आजादी के अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है तो कुरुक्षेत्र वासियों में तो विशेष जोश देखने को मिल रहा है। कुरुक्षेत्र में ही उस समय के नीलम थियेटर में हजारों की संख्या में लोगों की मौजूदगी में एक विशाल कार्यक्रम आयोजित किया गया था। सुप्रीम कोर्ट से तिरंगे का केस जीतने पर कुरुक्षेत्र नगर की 38 सामाजिक संस्थाओं द्वारा नवीन जिन्दल को सम्मानित किया गया था। यह जानकारी सांझा करते हुए नगर के प्रमुख व्यवसायी एवं फ्लेग फाउंडेशन ऑफ़ इण्डिया के कुरुक्षेत्र में प्रमुख पदाधिकारी रहे राजेश सिंगला के अनुसार उन्हीं दिनों सबसे ऊंचे

झंडे स्थापित किए। कुरुक्षेत्र, कैथल, यमुनानगर इत्यादि में 208 फीट ऊंचे झंडे स्थापित किए गए। 48 फीट चौड़ा व 72 फीट लंबा झंडा फहराया। बताया कि नवीन जिन्दल ने वर्ष 2002 में 1100 राष्ट्रीय ध्वज वितरित 'हर घर तिरंगा अभियान' कर शुरू किया था। कुरुक्षेत्र लोकसभा के प्रत्येक शहर में तिरंगा यात्रा निकाली गई थी। नवीन जिंदल के प्रयासों से ही कुरुक्षेत्र जिले में प्रत्येक अधिकारी की मेज पर रखने के लिए तिरंगे वितरित किए गए। प्रत्येक नागरिक को पॉकेट पर तिरंगा लगाने के लिए प्रेरित किया एवं जेब पर लगाने वाले राष्ट्रीय ध्वज वितरित किए। कुरुक्षेत्र लोकसभा के सभी शहरों में सड़क पर स्थित प्रतिष्ठानों पर सुबह राष्ट्रीय ध्वज फहराए जाते थे एवं शाम को सम्मान पूर्वक उतारे जाते थे। अब जब हर घर तिरंगा अभियान चल रहा है तो नवीन जिंदल का मानना है कि सिर्फ तीन दिन 13 से 15 अगस्त ही झंडा क्यों फहराया जाए, झंडा तो हर दिन पूरे साल फहराना चाहिए। प्रसिद्ध उद्योगपति और तिरंगा लगाने के लिए लंबी लड़ाई लड़ने वाले नवीन जिंदल कहते हैं कि मैं तो कहूंगा हर घर तिरंगा, हर दिन तिरंगा फहराएं। जिंदल के निकटवर्ती का कहना है कि पिछले तीस बरसों से अपनी शर्ट पर रोज़ लेपल फ्लैग और कलाई मे तिरंगा बैंड पहन कर घर से निकलने वाले नवीन जिंदल के लिए तिरंगा उनकी ज़िदगी का अहम हिस्सा बन चुका है। तीस बरस पहले जब वे अमेरिका से पढ़ कर लौटे थे, तो रायगढ़ की अपनी फैक्ट्री पर उन्होंने 26 जनवरी को झंडा फहरा लिया था। अगले दिन किसी स्थानीय अफसर ने आ कर वो झंडा ये कह कर उतरवा दिया कि ये साल में सिर्फ दो दिन ही आम आदमी लगा सकता है। नवीन को ये नागवार गुजरा कि अपने देश के तिरंगे को उन्होंने सालों अमेरिका के अपने कमरे और दफ्तर दोनों जगह लगा कर रखा। लेकिन अपने देश में नहीं लगा पा रहे। विस्तार में गए तो पता चला कि असल मुश्किल फ्लैग कोड यानी झंडा संहिता में है। उसमें लिखा था कि आम आदमी साल में सिर्फ दो दिन तिरंगा अपने घर या दफ्तर पर लगा सकता है। झंडे का प्रेम और जुनून नवीन को इतना था कि उन्होंने इसके लिए दस साल लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी. पहले हाइकोर्ट में जीते, फिर सुप्रीम कोर्ट ने भी उनके हक में फैसला दिया और झंडा फहराना किसी भी नागरिक का मौलिक अधिकार माना। नवीन कहते हैं कि हक तो मिल गया लेकिन पहली बार लोग इसे अपनाने में डर रहे थे कि कहीं जाने अनजाने में राष्ट्रीय ध्वज का अपमान न हो जाए। तब हमने एक फ्लैग फाउंडेशन का गठन किया। मैं और मेरी पत्नी ने लोगों के बीच झंडे को लोकप्रिय बनाने के लिए किताबें निकाली। पेंटिंग एग्ज़ीबिशन की। जगह जगह उंचे-उंचे झंडे लगाए। जैसे कनॉट प्लेस में आप देखते होंगे। देखा-देखी लगभग 600 झंडे और लोगों ने भी लगाए। आज दुनिया भर में सबसे ऊंचे झंडे सबसे ज़्यादा भारत में हैं।

वंचित छात्रों और छात्राओं को स्कॉलरशिप और नीट एवं जेईई की निशुल्क कोचिंग देगा आकाश बायजूस

5 छात्रों को अपने एक अभिभावक के साथ नासा जाने का मौका भी मिलेगा

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । भारत सरकार की आजादी का अमृत महोत्सव पहल के मौके पर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले अग्रणी संस्थान आकाश बायजूस ने एजुकेशन फॉर ऑल के माध्यम से उच्च शिक्षा के लिए निजी कोचिंग में छात्राओं के सशक्तीकरण एवं समावेशन के लिए बड़ी पहल का एलान किया है। इसके तहत आकाश बायजूस वंचित परिवारों के 7वीं से 12वीं कक्षा के करीब 2000 छात्रों विशेष रूप से लड़कियों को नीट एवं जेईई की निशुल्क कोचिंग एवं स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी। यह जानकारी संस्थान के डिप्टी डायरेक्टर रंजीत सिंह व ब्रांच मैनेजर अक्षत शर्मा ने पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि आकाश एजुकेशनल सर्विसेज की प्रमुख वार्षिक छात्रवृत्ति परीक्षा, आकाश नेशनल टैलेंट हंट परीक्षा 2022 पास करने वाले 5 छात्रों को नासा जाने का मौका मिलेगा। इतना ही नहीं सफल छात्रों के साथ माता-पिता में से किसी एक को भी निशुल्क जाने का मौका मिलेगा। इसके अलावा एएनटीएचई 2022 के तहत मेरिट वाले छात्रों को 100

प्रतिशत तक की स्कॉलरशिप तथा बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्रों को नकद पुरस्कार भी दिया जाएगा। संस्थान ने अपनी लॉन्चिंग से अब तक एएनटीएचई ने 33 लाख से ज्यादा छात्रों को स्कॉलरशिप दी है। जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रोजेक्ट के तहत चयनित छात्र आकाश बायजूस के नेशनल टैलेंट हंट एक्जाम 2022 (एएनटीएचई 2022) में हिस्सा लेंगे। एएनटीएचई एक घंटे की परीक्षा है जिसका आयोजन 5 से 13 नवंबर 2022 तक होगा। यह संस्थान की फ्लैगशिप स्कॉलरशिप परीक्षा है। जो देशभर में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से आयोजित की जाएगी। टॉप 2000 छात्रों को नीट एवं आईआईटी.जेईई के लिए सर्वाधिक लोकप्रिय कोचिंग प्रोग्राम में शुमार आकाश बायजूस की निशुल्क कोचिंग का मौका मिलेगा। देशभर में आकाश बायजूस के सभी 285 से ज्यादा केंद्रों में एएनटीएचई ऑनलाइन का आयोजन परीक्षा के सभी दिनों में सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे के बीच होगा, जबकि ऑफलाइन परीक्षा का आयोजन 6 नवंबर और 13 नवंबर को दो शिफ्ट सुबह 10ः30 से 11ः30 बजे और शाम 4 से 5 बजे के बीच होगा। छात्र अपनी सुविधा के अनुसार कोई एक घंटे का स्लॉट चुन सकते हैं।

डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में हुआ वैदिक यज्ञ का आयोजन

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर, आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि उपसभा, हरियाणा के तत्वावधान में 11 अगस्त से 19 अगस्त 2022 तक वेद प्रचार सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में वैदिक यज्ञ का आयोजन किया गया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य अनूप कुमार चोपडा ने अध्यापक होशियार सिंह, राहुल, पंकज, सागर एवं अध्यापिका संगीता शर्मा, सोनिया मखीजा, निशा ढींगरा एवं सुषमा तथा छात्रों के साथ यज्ञ में भाग लिया। गायत्री मंत्र के 108 जप तथा वैदिक मंत्रोंच्चारण करते हुए समाज के कल्याण, विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य एवं वैदिक धर्म के प्रचार की कामना करते हुए यज्ञ में आहुतियां दी गई।

विद्यालय के प्रधानाचार्य अनूप कुमार चोपडा ने कहा कि वेद हमारी संस्कृति की धरोहर हैं। हमारी सभ्यता, संस्कृति और परम्पराओं का पूर्ण ज्ञान इन्हीं वेदों में समाहित है। आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि उपसभा, हरियाणा द्वारा वेद प्रचार सप्ताह आयोजित करना एक सराहनीय कदम है। वैदिक धर्म का प्रचार-प्रसार करना आर्य समाज से जुड़ी हर संस्था का कर्तव्य है और डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल इस कार्य में अपना पूर्ण योगदान देगा।

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक जरनैल सिंह द्वारा ढिंगरा प्रिंटिंग प्रैस, अग्रसैन चौंक, मोहन नगर, कुरुक्षेत्र से छपवाकर कार्यालय 'गजब हरियाणा' कोठी नं0 890 पी, सैक्टर-4, अर्बन इस्टेट कुरुक्षेत्र जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा से प्रकाशित व मुद्रक किया। सम्पादक जरनैल सिंह (91382-03233) Registration Namber: HAR/HIN/2018/77311